www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 273 || लखनऊ
मंगलवार
06 जनवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:56
सूर्यास्तः 05:28
अधिकतमः 17°00
न्यूनतमः 09°00

पेज 03

विशेष समाचार

वेनेजुएला कभी दुनिया के सबसे ... >> पेज 02
मेरी औकात याद दिलाई गई ... >>पेज 04
शादी के 14 साल बाद जय भानुशाली ...

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर पर हमला

खिड़कियां टूटीं, पुलिस ने एक संदिग्ध को पकड़ा, हमले का मकसद साफ नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के ओहियो राज्य के सिनसिनाटी में स्थित घर पर हमला हुआ है। CNN ने सूत्रों के हवाले से बताया कि उनके घर की खिड़कियां टूटी हैं। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। वेंस के घर के पास रविवार रात 12:15 बजे किसी को भागते हुए देखा गया था। अधिकारियों के मुताबिक, जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त जेडी वेंस और उनका परिवार घर पर मौजूद नहीं था। शुरुआती जानकारी में यह भी सामने आया है कि हिरासत में लिया गया व्यक्ति उपराष्ट्रपति के घर के अंदर घुसने में सफल नहीं हुआ। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या यह घटना जानबूझकर जेडी वेंस या उनके परिवार को निशाना बनाकर की गई या इसके पीछे कोई और वजह है। मामले को लेकर मीडिया ने व्हाइट हाउस और सीक्रेट सर्विस से जानकारी मांगी है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वेंस पिछले एक हफ्ते से सिनसिनाटी में थे, लेकिन रविवार दोपहर शहर से रवाना हो गए। उन्होंने घर पर लगभग 14 लाख डॉलर खर्च किए और यह लगभग 2.3 एकड़ में फैला हुआ है। जेडी अपनी मां बेवर्ली एकिंस के दूसरे पति डोनाल्ड बोमन की संतान हैं। जब जेडी का जन्म हुआ, तब उनके माता-पिता तंगी से जूझ रहे थे। ऐसे में जेडी का बचपन गरीबी में बीता। जब जेडी कुछ ही महीनों के थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

जेडी वेंस के घर पर हमले के बाद खिड़की के कांच टूट गए।

परिवार के साथ ओहियो में रहते हैं जेडी वेंस

व्हाइट हाउस की वेबसाइट के मुताबिक जेडी वेंस अपने परिवार के साथ ओहियो के सिनसिनाटी शहर में रहते हैं। उनका जन्म 2 अगस्त 1984 को अमेरिका के ओहियो राज्य में एक स्कॉट-आयरिश फैमिली में हुआ था।

पहली नजर में हिंदू लड़की से प्यार हुआ, आज उनके 3 बच्चे

येल लॉ स्कूल में कानून की पढ़ाई दौरान जेडी को उषा चिलकुरी नाम की एक लड़की मिली। 'हिलबिली एलेजी' किताब में जेडी लिखते हैं, 'मुझे पहली ही नजर में उषा से प्यार हो गया था। हमारी पहली डेट के बाद ही मैंने अपने प्यार का इजहार कर दिया था।' पहले 2010 में दोनों अच्छे दोस्त बने, फिर 2014 में उन्होंने हिंदू रीति-रिवाजों से शादी कर ली। दरअसल, उषा का फैमिली बैकग्राउंड उनसे बिल्कुल अलग हैं। उषा भारतीय मूल की हिंदू हैं। उनके पिता ने IIT से मेकैनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है, जबकि मां बायोलॉजिस्ट हैं।

66 उषा ने एक टीवी शो में बताया था कि वे एक शाकाहारी हैं। वहीं जेडी को मीट बहुत पसंद है, लेकिन उनके लिए जेडी ने वेजिटेरियन लाइफस्टाइल अपनाई। उन्होंने उषा की मां से शाकाहारी खाना बनाना भी सीखा। जेडी की पॉलिटिक्स में भी उषा ने अहम रोल निभाया है। वे जेडी के भाषणों और डिबेट्स में उनकी मदद करती हैं।

मैं कभी पार्टी लाइन से नहीं भटका : शशि थरूर

17 साल से कांग्रेस में हूं, सभी से अच्छे संबंध

तमसा संकेत, एजेंसी

वायनाड। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य शशि थरूर ने कहा कि मैं कभी पार्टी लाइन से नहीं भटका। उन्होंने कहा कि मेरा सवाल है, किसने कहा कि मैंने पार्टी लाइन छोड़ दी। जब मैंने विभिन्न विषयों पर अपनी राय व्यक्त की तो पार्टी और मैं एक ही लाइन पर खड़े थे। कांग्रेस सांसद ने कहा कि वह 17 साल से पार्टी में हैं और सहकर्मियों के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। अब किसी अचानक गलतफहमी की कोई जरूरत नहीं है। थरूर ने केरल के वायनाड स्थित सुल्तान बथेरी में आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति बनाने के लिए KPCC की लक्ष्य 2026 नेतृत्व शिविर में भाग लिया। मीटिंग के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करने के दौरान ये बातें कहीं। विधानसभा चुनाव लड़ने के बयान पर थरूर ने कहा कि कुछ सांसद इच्छुक हैं, लेकिन फैसला पार्टी नेतृत्व को करना है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने 27 दिसंबर को कहा कि विदेश नीति भाजपा या कांग्रेस की नहीं, भारत की होती है। अगर राजनीति में कोई प्रधानमंत्री की हार पर खुश होता है, तो वह भारत की हार की खुशी मना रहा होता है।

दिल्ली दंगा केस में उमर खालिद-शरजील को जमानत नहीं मिली

सुप्रीम कोर्ट ने एक साल अपील करने पर रोक लगाई, 5 आरोपियों को बेल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया। हालांकि 5 अन्य आरोपियों को 12 शर्तों के साथ जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उमर और शरजील एक साल तक इस मामले में जमानत याचिका दाखिल नहीं कर सकते हैं। दरअसल, उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद दिल्ली दंगों के आरोप में 5 साल 3 महीने से तिहाड़ में हैं। इन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, उमर जमानत के लिए निचली अदालत से सुप्रीम कोर्ट तक 6 बार याचिका लगा चुका है। दिल्ली में फरवरी, 2020 में हिंसा भड़की थी। इसमें 53 लोगों की मौत हुई थी। 250 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

उमर खालिद ने कहा- अब जेल ही मेरी जिंदगी

उमर खालिद की साथी बानो ज्योत्सना लाहिरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि उमर ने उनसे बातचीत में कहा- जिन लोगों को जमानत मिली है, उनके लिए मैं बहुत खुश हूं। मुझे राहत है। अब तो जेल ही मेरी जिंदगी बन गई है। बानो ने यह भी लिखा कि जब उन्होंने उमर से कहा कि वह अगले दिन मुलाकात के लिए आएंगी, तो उमर ने जवाब दिया- ठीक है।

योगी एसआईआर के आंकड़े लेकर मोदी से मिले

एक घंटे सर्द धूप में चर्चा, केशव-पाठक भी दिल्ली में, राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ीं

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/नई दिल्ली। सीएम योगी सोमवार को दिल्ली दौरे पर हैं। यहां उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की। योगी ने मोदी को राम मंदिर का प्रतीक चिह्न भेंट किया। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक मुलाकात हुई। बैठक के दौरान योगी के पास एक फाइल दिखी। माना जा रहा है कि इसमें यूपी में SIR के आंकड़े थे। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य पहले से ही दिल्ली में हैं। पाठक ने भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष और राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह मुलाकात की। तीनों दिग्गजों का दिल्ली में जमावड़ा होने से सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। थोड़ी देर बाद सीएम योगी भी नितिन नबीन से मिलने पहुंचेंगे। उन्हें यूपी सरकार की उपलब्धियों के साथ आगामी योजनाओं की जानकारी देंगे। मंत्रिमंडल विस्तार, पंचायत और विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करेंगे। यह योगी और नितिन नबीन की पहली मुलाकात होगी। दरअसल, योगी सरकार 2.0 का दूसरा मंत्रिमंडल विस्तार होना है। इसमें कुछ नए चेहरों को शामिल किया जाएगा। वहीं, कुछ मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है।

>> (शेष पेज 04

66 सूत्रों के मुताबिक, दोनों के बीच रक्षक और प्रदेश सरकार के आगामी कामकाज को लेकर बात हुई। योगी ने पीएम को रक्षक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पीएम को जेवर एयरपोर्ट और गंगा एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण समारोह और अगले महीने संभावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का न्योता भी दिया। सीएम ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से भी मुलाकात की है।

मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं ने सियासी सरगर्मियां बढ़ाईं

योगी की मोदी और पाठक की नितिन नबीन-बीएल संतोष से मुलाकात के बाद यूपी में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। योगी सरकार के दूसरे मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं तेज हो गई हैं। योगी सरकार 2.0 का पहला मंत्रिमंडल विस्तार लोकसभा चुनाव की अधिसूचना से एक हफ्ते पहले 5 मार्च 2024 को किया गया था। इसमें सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, रालोद से अनिल कुमार, भाजपा के सुनील शर्मा और सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए दारा सिंह चौहान को मंत्री बनाया गया था। इसमें एक दलित, दो ओबीसी और एक ब्राह्मण समाज से थे।

फास्ट न्यूज

टाइफाइड से बच्ची की मौत का संदेह

गांधीनगर। गुजरात के गांधीनगर में दूषित पानी के कारण टाइफाइड फैला है। सोमवार को यहां के सिविल अस्पताल में एक बच्ची की मौत हो गई है और दो अन्य गंभीर हैं। संदेह है कि मौत टाइफाइड से ही हुई है। अस्पताल में 152 मरीजों का इलाज चल रहा है। इनमें से 50 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। अस्पताल में बिस्तरों की कमी के कारण अतिरिक्त वार्ड खोलना पड़ा है।

भोपाल एम्स की प्रोफेसर रश्मि वर्मा की मौत

भोपाल। भोपाल एम्स के इमरजेंसी एवं ट्रॉमा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रश्मि वर्मा की 24 दिन बाद सोमवार को मौत हो गई। 11 दिसंबर को आत्महत्या का प्रयास करने के बाद से वे एम्स के आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर थीं। तमाम कोशिशों, विशेषज्ञों की निगरानी और इलाज के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी। एम्स के अनुसार, 5 जनवरी की सुबह करीब 11 बजे डॉ. रश्मि वर्मा ने अंतिम सांस ली। उनका शव परिजनों को सौंप दिया गया। डॉ. रश्मि वर्मा ने बेहोशी की दवा (एनेस्थीसिया) का हाई डोज लिया था। उनके पति ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन शाक्य उन्हें बेहोशी की हालत में एम्स लेकर पहुंचे थे।

राम रहीम 15वीं बार जेल से बाहर आया

रोहतक। 40 दिन की पैरोल पर रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर आए डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम ने सिरसा डेरा पहुंचकर संगत के साथ ऑनलाइन संवाद किया। इसमें उसने संगत से कहा कि डेरे के जिम्मेदारों के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। राम रहीम साध्वियों के यौन उत्पीड़न और पत्रकार की हत्या के मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है।

ममता का आरोप : चुनाव आयोग वॉट्सऐप पर चलाया जा रहा है

बोलीं- एसआईआर के दौरान मौतों के मामले में कोर्ट जाएंगे

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल की CM मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राज्य में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिविजन (SIR) के दौरान हुई मौतों के मामले में कोर्ट जाएंगी। उन्होंने कहा कि मंगलवार को इसे लेकर अर्जी दायर की जाएगी। ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग वॉट्सऐप पर चलाया जा रहा है। दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में रैली में ममता ने दावा किया कि जब से SIR शुरू हुई है, डर के मारे कई लोगों की मौत हो चुकी है और कई अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। ममता ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का जिक्र करते हुए कहा, अगर लोगों के अधिकार छीन लिए गए, तो आप भी गायब हो जाएंगे, गायब हो जाइए कुमार। ममता ने आरोप लगाया कि गंभीर रूप से बीमार लोगों को भी वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिविजन (SIR) के दौरान मतदान केंद्र पर वैधता साबित करने के लिए कतारों में खड़ा किया गया।

>> (शेष पेज 04 पर)

"ममता ने कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट में वकील के तौर पर नहीं बल्कि एक आम नागरिक के तौर पर पेश होने की अनुमति मांगेगी। जरूरत पड़ने पर मैं सुप्रीम कोर्ट जाऊंगी और जनता के लिए पैरवी करूंगी। मैं जनता की आवाज बनूंगी। ममता ने यह भी याद दिलाया कि उन्होंने कानूनी शिक्षा प्राप्त की है।

यूपी पुलिस भर्ती में एज लिमिट 3 साल बढ़ी

योगी सरकार का बड़ा फैसला, 32,679 पदों पर होनी है भर्ती

छूट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी ने 32,679 पदों पर पुलिस भर्ती में अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। अभ्यर्थियों को आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट दी है। दरअसल, एज लिमिट (आयु सीमा) विवाद सरकार की गले की फांस बनता जा रहा था। एज लिमिट बढ़ाए जाने की मांग सरकार के भीतर भी उठने लगी थी। इसे देखते हुए योगी सरकार ने यह फैसला लिया है। दरअसल, राज्य मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, भाजपा के विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी, विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी और दिनेश रावत ने योगी को पत्र लिखकर सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों की आयु सीमा 22 वर्ष से बढ़ाकर 25 वर्ष किए जाने की मांग की थी। इससे पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभ्यर्थियों की मांग का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा सरकार की लापरवाही के कारण पुलिस भर्ती में देरी हुई है। इससे कई अभ्यर्थी इस परीक्षा को लेकर अयोग्य हो गए हैं। 31 दिसंबर की शाम योगी सरकार ने 32, 679 पदों पर सीधी भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया था। इनमें सिविल पुलिस के अलावा PAC, विशेष सुरक्षा बल यानी SSF, महिला बटालियन, घुड़सवार पुलिस और जेल वार्डर तक के पद शामिल थे। सिविल पुलिस में 10,469 पदों पर महिला और पुरुष अभ्यर्थियों की भर्ती होगी। जबकि PAC में पुरुषों के लिए 15,131 पद खाली हैं। UP SSF में पुरुष अभ्यर्थियों के लिए 1341 वैकेंसी है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 31 दिसंबर से 30 जनवरी, 2026 तक चलेगी। आवेदन करने से पहले upprpb.in पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) जरूरी है। साल 2025 में यह दूसरी बड़ी भर्ती है।

विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी ने योगी को उनका वादा याद दिलाया था। लेटर में लिखा था- 18 नवंबर, 2025 को गोरखपुर जनता दरबार में और 15 दिसंबर, 2015 को लखनऊ में जनता दरबार में आपने वादा किया था कि अभ्यर्थियों को तीन साल की छूट प्रदान की जाएगी। लेकिन, नोटिफिकेशन जारी होने पर उसमें तीन साल की छूट प्रदान नहीं की गई।

हादसा : ब्लास्ट के साथ आग भी लगी, तीन गांव खाली कराए गए

ओएनजीसी के तेल कुएं से गैस रिसाव

- गैस में आग लग गई और कुएं के पास ऊंची लपटें उठने लगीं।
- इसी दौरान अचानक तेज ब्लास्ट हुआ और गैस व कच्चा तेल तेजी से ऊपर की ओर निकलने लगा। साथ ही आग बढ़ गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

कोनसीमा। आंध्र प्रदेश के कोनसीमा जिले के राजोले इलाके में सोमवार को ONGC के एक तेल कुएं से भारी गैस रिसाव हुआ। घटना उस वक्त हुई, जब कुएं में मरम्मत का काम चल रहा था। हालात को देखते हुए प्रशासन ने इरुसुमंदा और आसपास के तीन गांवों को एहतियातन खाली करा लिया। जानकारी के मुताबिक, तेल कुएं से उत्पादन अस्थायी रूप से रोका गया था और मरम्मत की जा रही थी। इसी दौरान अचानक तेज ब्लास्ट हुआ और गैस व कच्चा तेल तेजी से ऊपर की ओर निकलने लगा। कुछ ही देर में गैस में आग लग गई और कुएं के पास ऊंची लपटें उठने लगीं। प्रशासन ने लाउडस्पीकर के जरिए लोगों से बिजली के स्विच बंद रखने, गैस चूल्हा न जलाने और किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का इस्तेमाल न करने की अपील की। कंपनी शेयर मार्केट में भी लिस्टेड है।

पूरे इलाके को घेराबंदी कर सील किया गया

ONGC के इस कुएं का संचालन दीप इंडस्ट्रीज लिमिटेड कर रही है। कंपनी को साल 2024 में ONGC के राजामुंद्री एसेट में उत्पादन बढ़ाने के लिए करीब 1,402 करोड़ रुपए का ठेका मिला था। दीप इंडस्ट्रीज लिमिटेड गुजरात के अहमदाबाद की कंपनी है। यह तेल और गैस सेक्टर में काम करती है और पुराने तेल-गैस कुओं से उत्पादन बढ़ाने, गैस कंप्रेशन और ड्रिलिंग से जुड़ी सेवाएं देती है।

घटना की सूचना मिलते ही ओएनजीसी की टीमें मौके पर पहुंचीं और गैस रिसाव व आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। पूरे इलाके को घेराबंदी कर सील कर दिया गया है। वरिष्ठ जिला अधिकारी और ओएनजीसी के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।

मोहम्मद शमी को चुनाव आयोग का नोटिस

कोलकाता। चुनाव आयोग ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी को नोटिस भेजा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शमी ओर उनके भाई मोहम्मद कैफ के SIR फॉर्म में गड़बड़ियां मिली हैं, इसलिए दोनों को बुलाया गया है। हालांकि शमी या चुनाव आयोग की ओर से अभी तक इस पर कोई बयान नहीं आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार शमी के एन्यूमरेशन फॉर्म में प्रोजेनी मैपिंग और सेल्फ-मैपिंग से जुड़ी गड़बड़ियां मिली हैं। इसके बाद साउथ कोलकाता के वार्ड नंबर 93 से नोटिस जारी किए गए, जिसमें उन्हें असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (AERO) के सामने पेश होने को कहा गया है। शमी कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (KMC) वार्ड नंबर 93 में वोटर के रूप में रजिस्टर्ड हैं, जो रासबिहारी असेंबली सीट के अंदर आता है। 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने उत्तर प्रदेश के अमरोहा में अपने पैतृक गांव में वोटिंग की थी। पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के बाद 16 दिसंबर को बंगाल की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पब्लिश हुई थी।

कांग्रेस एमएलसी ने बीजेपी विधायक को मुक्का मारा

मीटिंग में जमीन के कब्जे को लेकर गाली-गलौज

मारपीट

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक डेवलपमेंट प्रोग्राम (KDP) की मीटिंग में सोमवार को कांग्रेस एमएलसी भीमराव पाटिल और बीजेपी विधायक सिद्दू पाटिल के बीच मारपीट हुई। आरोप है कि भीमराव ने सिद्दू को मुक्का मारा। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। बिदर में यह मीटिंग वन भूमि पर कब्जे को लेकर थी। वीडियो में दोनों एक-दूसरे पर चिल्लाते और उंगली उठाते दिख रहे हैं। करीब 3 मिनट तक दोनों एक-दूसरे को गाली गलौज करते रहे। मामला इतना बिगड़ गया कि पुलिस और वहां मौजूद लोगों को बीच-बचाव करना पड़ा। मंत्री ईश्वर खंद्रे ने मामला शांत कराया। मीटिंग के दौरान बीजेपी विधायक सिद्धू पाटिल ने एमएलसी पर हुमनाबाद में जंगल की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया।

- विवाद के बाद मीटिंग हॉल में अफरा-तफरी का माहौल दिखा।
- कर्नाटक में मीटिंग के दौरान कांग्रेस एमएलसी और बीजेपी एमएलए के बीच हाथापाई का वीडियो सामने आया।

सम्पादकीय

वेनेजुएला : ट्रंप का असली चेहरा सामने आया

शांति का नोबेल पुरस्कार हासिल करने की तमन्ना लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व' चलाकर वेनेजुएला पर शनिवार स्थानीय समय के अनुसार 02:01 बजे हमला करके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस समेत गिरफ्तार कर लिया और उन्हें हवाई मार्ग से अमेरिका ले आया गया। अमेरिकी विमान से मादुरो को जब उतारा जा रहा था तो उनकी आंखों पर पट्टी बंधी थी और हथकड़ियां भी लगी थीं। यह दृश्य देखकर इतिहास खुद को दोहराता है, वाली मिसाल याद आ गई। लेकिन यह नहीं पता था कि इतिहास इतनी जल्दी दोहराया जाएगा। अभी 21वीं सदी शुरु ही हुई थी कि इराक पर अमेरिका ने विनाशकारी हथियारों की तलाश के नाम पर आक्रमण किया और तत्कालीन शासक सद्दाम हुसैन को गिरफ्तार कर फांसी पर भी चढ़ा दिया। फिर पता चला कि ऐसे कोई हथियार इराक में थे ही नहीं। शायद अमेरिका को हथियारों की तलाश थी भी नहीं, उसे इराक के प्राकृतिक संसाधनों का कब्जा चाहिए था, जो उसे मिल गया। यही खेल अब वेनेजुएला में खेला गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने निकोलस मादुरो पर गलत तरीके से सत्ता हथियाने का आरोप लगाने के साथ ड्रग्स तस्करी के गंभीर आरोप भी लगाए हैं और उनका कहना है कि अब मादुरो को पत्नी समेत अमेरिका की कड़ी न्याय व्यवस्था का सामना करना पड़ेगा। मानो सारी दुनिया का ठेका अमेरिका को मिल चुका है कि उसका राष्ट्रपति जब चाहे किसी संप्रभु देश पर आक्रमण कर दे और वहां के नेता को अमेरिकी कटघरे में खड़ा कर दे। और अंतरराष्ट्रीय कानूनों, स्त्री अधिकार को ठेंगा दिखाते हुए राष्ट्र प्रमुख के साथ उनकी पत्नी को भी गिरफ्तार कर ले। चिंता की बात यह है कि दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जिन उद्देश्यों के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था को बनाया गया था, वह पूरी तरह नख-दंत विहीन और लाचार बन चुकी है। घर के अशक्त बूढ़े बुर्जुग उपद्रवी बच्चों को मत लड़ो-मत लड़ो जैसी लाचारगी भरी नसीहत देते हैं, वैसा ही हाल संरा का हो चुका है। पूरी दुनिया में अमेरिका समर्थित हमले हो रहे हैं और संरा बयान जारी करने से आगे बढ़ ही नहीं पा रहा है। इससे बेहतर है कि संरा को मिटा कर नए सिरे से कोई ऐसी वैश्विक संस्था बनाई जाए, जो वाकई दुनिया में शांति स्थापना का काम कर सके। लेकिन इसकी पहल कौन करेगा ये भी विचारणीय है। एक वक्त था जब भारत में प.जवाहरलाल नेहरू जैसे नेता थे, जिन्होंने गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत दिया तो तीसरी दुनिया के देशों को अपने अस्तित्व और सम्मान को बचाए रखने के लिए नया मंच मिला। आज के भारत का हाल तो ऐसा है कि ट्रंप पचासों बार पाकिस्तान के समकक्ष हमें रखते हुए युद्धविराम के दावे कर चुके हैं और प्रधानमंत्री मोदी माई डियर फ्रेंड ट्रंप का नाम ही जपते रहे। अब भी वेनेजुएला के घटनाक्रम पर नरेन्द्र मोदी की कोई सीधी टिप्पणी देखने नहीं मिली है, बल्कि एस जयशंकर का बयान आया है कि हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि मुद्दों का समाधान बातचीत के ज़रिए और शांतिपूर्ण तरी$के से किया जाए, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। भारत को बताना चाहिए कि सभी संबंधित पक्षों से उसका तात्पर्य क्या है। क्यों मोदी पहले चीन का नाम लेने से कतरा रहे थे और अब अमेरिका को सीधे नहीं कह रहे कि उसका इस तरह आक्रमण करना गलत है। मान लें कि निकोलस मादुरो ने अपने देश में कुछ गलत किया है या वैश्विक स्तर पर किसी अपराध में संलग्न हैं, तो उन पर कार्रवाई के लिए उनके अपने देश की न्याय व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय अदालत है। ट्रंप यहां किस हैसियत से घुसे हैं। ब्रा•ाील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा ने बिल्कु ल ठीक कहा है कि वेनेज़ुएला के नेता को हिंसक तरीक़े से पकड़ना 'पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक और बेहद ख़तरनाक मिसाल' है। क्यूबा ने कहा कि वेनेज़ुएला पर किए गए आपराधिक हमले की निंदा करता है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तुरंत कार्रवाई की मांग करता है। रूस ने भी इस हमले को गलत बताया है वहीं चीन ने कहा है कि एक संप्रभु देश के ख़िलाफ़ अमेरिका के खुलेआम बल प्रयोग और उसके राष्ट्रपति के ख़िलाफ़ कार्रवाई से वह बहुत हैरान है और इसकी कड़ी निंदा करता है। भारत ऐसी खुली आलोचना क्यों नहीं कर पाया, यह चिंताजनक प्रश्न है। क्योंकि इस तरह हम भी अमेरिका की आक्रमणकारी, विस्तारवादी नीति के हिमायती बन रहे हैं, जिसकी इजा•ात हमारी विदेश नीति नहीं देती है। दरअसल गलत तरीके से सत्ता हथियाना या ड्रग्स के आरोप केवल बहाना हैं, ट्रंप का असली मकसद अमेरिकी तेल कंपनियों के लिए वेनेजुएला को खोलना था, जो मादुरो के सत्ता में रहते संभव नहीं हो रहा था। ट्रंप ने कहा है कि, 'यूनाइटेड स्टेट्स की बहुत बड़ी तेल कंपनियां वेनेजुएला जाएंगी, अरबों डॉलर खर्च करेंगी और बहुत बदहाल बुनियादी ढांचे को दुरुस्त करेंगी। हम तेल की विशाल मात्रा बेचेंगे। ये बयान साफ बता रहा है कि अमेरिका का असली मकसद क्या है। वैसे ट्रंप के इस आक्रमण से कई अमेरिकी नेता भी नाराज हैं। जोहरान ममदानी और कमला हैरिस जैसे लोगों ने इसकी आलोचना की है। वहीं पूरे अभियान को कांग्रेस को बताए बिना शुरु करने पर सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चक शूमर ने कहा, कि निकोलस मादुरो एक अवैध तानाशाह हैं। लेकिन कांग्रेस की अनुमति के बिना और आगे क्या होगा, इसकी कोई विश्वसनीय योजना बनाए बिना सैन्य कार्रवाई शुरू करना लापरवाही है।

वेनेजुएला कभी दुनिया के सबसे अमीर देशों में शामिल था आज क्यों कंगाल हो चुका है ?

> बताया जाता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देश के नवीकरणीय तेल भंडार कमी नहीं छिपाया है, लेकिन जिस गति और गति से संयुक्त राज्य अमेरिका ने वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके राष्ट्रपति भवन से उठाया और उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका लाया, वह चौंकाने वाला है।

अभी कल ही बात है कि अमेरिका ने हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर लिया। वेनेजुएला कभी दुनिया के सबसे अमीर देशों में शामिल था। आज कंगाल हो चुका है।यह कहानी एक ऐसे देश की है जिसके पास सऊदी अरब से भी ज्यादा तेल है, लेकिन पिछले एक दशक में उसने अपनी 80% जीडीपी गंवा दी। कभी दुनिया के सबसे अमीर देशों में शामिल इस देश ने अपनी दौलत का ऐसा मिसमैनेजमेंट किया कि आज वहां के लोग देश छोड़ रहे हैं।बात हो रही है 'वेनेजुएला' की, जिस पर शनिवार 3 जनवरी को अमेरिका ने हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर लिया है। हजारों किलोमीटर दूर दक्षिण अमेरिका में हो रही इस हलचल का असर भारत में आम आदमी पर भी पड़ सकता है। मादुरो को संयुक्त राज्य अमेरिका लाने के लिए ट्रम्प के कारण, जिनमें मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद शामिल हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका में ड्रग्स की शिपिंग, संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ मशीनगनों और अन्य घातक हथियारों का उपयोग, और इसी तरह।मादुरो एक तानाशाह थे, इसलिए उन्हें हटा दिया गया और वेनेजुएला के नागरिकों को मुक्त कर दिया गया, और उस देश के संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में, डेल्सी रोड्रिग्ज के हाथों में, जो उस देश के प्रभारी थे, श्री रोड्रिग्ज ने स्वयं इसका खंडन किया और 2024 में मादुरो की रिहाई की मांग की। ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाली मारिया कोरिना मचाडो के पास पर्याप्त लोग नहीं हैं, और उन्होंने पारस्परिक रूप से घोषणा की है कि अगर जरूरत पड़ी तो वह वेनेजुएला में सेना भेजेंगे, लेकिन अभी के लिए, वह डेल्सी रोड्रिग्ज के माध्यम से दौड़ेंगे।इस प्रश्न के दो तार्किक उत्तर हैं। पहला उत्तर वेनेजुएला के तेल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के समृद्ध भंडार में पाया जा सकता है। पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) के संस्थापक सदस्य वेनेजुएला के पास दुनिया के तेल भंडार का लगभग 20 प्रतिशत होने का अनुमान है, जो सऊदी अरब या इराक से कहीं अधिक है, जिसकी कीमत 303 बिलियन बैरल होने का अनुमान है, लेकिन फिर भी वैश्विक तेल उत्पादन का 1 प्रतिशत से भी कम है। पिछले कई वर्षों से पर्याप्त तेल उत्पादन नहीं हुआ है। तेल उत्पादन व्यवसाय के राष्ट्रीयकरण के कारण, एक्सॉन मोबिल जैसी बड़ी अमेरिकी कंपनियों ने कुछ साल पहले वेनेजुएला से अंतराल को बंद कर दिया था। इसके बाद से अमेरिका उस देश से नाराज है। गौरतलब है कि इराक में सद्दाम हुसैन के शासन को उखाड़ फेंकने के पीछे अमेरिकी तेल कंपनियों का राष्ट्रीयकरण ही कारण था। 'सामूहिक विनाश के हथियार' और इसी तरह। इराक की तरह, वेनेजुएला के तेल भंडार को जब्त करना संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक दीर्घकालिक निवेश है। यदि पांच से सात साल तक स्थिरता रहती है, तो ट्रम्प की पसंद की कंपनियां वहां एक आधार स्थापित करने और तेल उत्पादन बढ़ाने में सक्षम होंगी, जो वैश्विक तेल उत्पादन को नियंत्रित करने के लिए ट्रम्प की दीर्घकालिक योजना को कमजोर कर देगी, जो प्रमुख अगर-मगर से भरा खेल है, लेकिन उन्होंने कभी भी ऐसी बाधाओं की परवाह नहीं की है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा मादुरो का अपहरण लगभग सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों और सम्मेलनों का उल्लंघन करता है, और यह युद्ध जैसा होगा। अमेरिकी संविधान, जिसके लिए तीस अमेरिकी कांग्रेस के अनुसमर्थन की आवश्यकता है, नहीं हुआ है, और कोई भी मादुरो की अनुपस्थिति में स्थिरता की गारंटी नहीं दे सकता है। तेल कंपनियों सहित बड़ी अमेरिकी कंपनियां अभी भी अंतरराष्ट्रीय कानून से डरती हैं, कम से कम यह माना जाता है कि क्या वे तेल उत्पादन के लिए दागी वेनेजुएला योजना में अरबों डॉलर डालेंगे। यह प्रश्न अनुत्तरित है: वेनेजुएला न केवल तेल समृद्ध है, बल्कि अन्य प्राकृतिक संसाधनों में भी समृद्ध है, जिसमें दुनिया का छठा सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस भंडार शामिल है: सोना, लोहा, बॉक्साइट और हीरे, और थोरियम, कोल्टन, और कुछ दुर्लभ तत्व और यौगिक जो आधुनिक युग में महत्वपूर्ण बन गए हैं।चुंबकीय गुणों वाले रासायनिक यौगिक - इस देश में बड़ी मात्रा में पाए गए हैं। कम से कम जैव विविधता और जल संसाधनों की प्रचुरता के साथ-साथ कैरेबियन सागर की भौगोलिक स्थिति और अटलांटिक महासागर में रणनीतिक व्यापार मार्गों के कारण नहीं। यदि दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज़ और अब उनके शिष्य मादुरो ने यहां के लोगों को पुरानी समाजवादी आर्थिक नीतियों के नारे पर लागू करके व्यक्तिवाद की भ्रष्ट व्यवस्था लागू नहीं की होती, तो वेनेजुएला को संयुक्त राज्य अमेरिका या कुछ यूरोपीय देशों के समान समृद्धि प्राप्त होती। यही कारण है कि ट्रम्प वेनेजुएला को नियंत्रित करना चाहते हैं, लेकिन वह ऐसा करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं हैं। वेनेजुएला हमेशा से संयुक्त राज्य अमेरिका पर झुका हुआ देश रहा है, इसलिए संयुक्त राज्य अमेरिका इस देश और आसपास के दक्षिण अमेरिका को 'पश्चिम एशिया' में बदलने की कोशिश कर रहा है। इस नीति परिवर्तन की जड़ में ट्रम्प का एक और धोखा है - मोनरो सिद्धांत या मोनरो घोषणा। यह वर्तमान में डोनाल्ड ट्रम्प के नाम के अनुरूप है।इसे 'डोनरो सिद्धांत' कहा जाता है। उद्देश्य एक ही है। वेनेजुएला के खिलाफ मौजूदा कार्रवाई के पीछे यह दूसरा कारण है। 1823 में, तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जेम्स मुनरो ने पश्चिमी गोलार्ध से यूरोपीय औपनिवेशिक शक्तियों के बाहर निकलने का सुझाव दिया। बदले में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने गारंटी दी कि वह पूर्वी गोलार्ध में यूरोपीय हितों में हस्तक्षेप नहीं करेगा। पश्चिमी गोलार्ध मुख्य रूप से उत्तर और दक्षिण अमेरिका और कैरेबियाई द्वीप समूह को संदर्भित करता है। उस समय, ट्रम्प पहले राष्ट्रपति नहीं थे जिन्होंने दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के देशों को संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतीक होने का सपना देखा था। ठीक 36 साल पहले, जॉर्ज डब्ल्यू डब्ल्यू बुश, जो एक रिपब्लिकन भी थे, के प्रशासन ने मैनुअल नोरिएगा को गिरफ्तार करके पनामा के शासन को समाप्त कर दिया था। रोनाल्ड रीगन भी एक रिपब्लिकन हैं जो निकारागुआ में कॉन्ट्रा विद्रोहियों के साथ सरकार संभालना चाहते हैं। इससे 60 साल पहले, कैनेडी-जॉनसन-निक्सन प्रशासन ने फिदेल कास्त्रो के क्यूबा के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था, लेकिन कास्त्रो दक्षिण अमेरिका (क्यूबा, निकारागुआ, वेनेजुएला) में वामपंथी या वामपंथी झुकाव वाले शासनों को अस्थिर करने में सक्षम थे, उन्हें वेनेजुएला के तेल से काट दिया, और अब चीन, जो द्वीप पर बसना चाहता है ।ट्रम्प प्रशासन की घोषित योजना रूस को निर्वासित करने की है। इसका प्रमुख मील का पत्थर वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई थी।

● अशोक भाटिया

अदालतों ने अनेक ...

ज्ञान चंद पाटनी

पेयजल पाइपलाइनों के रखरखाव में लापरवाही को माना जाए अपराध

पेयजल पाइपलाइनों की उपेक्षा किस तरह जानलेवा साबित हो सकती है, यह मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में दूषित जल से हुई मौतों से साफ हो जाता है। इंदौर में नलों से घरों तक पहुंचे दूषित जल के सेवन से अनेक लोगों में उल्टी-दस्त, तेज बुखार, पेट दर्द और निर्जलीकरण जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। स्थानीय अस्पतालों में डायरिया और गैस्ट्रोएंटे-राइटिस के मरीजों की संख्या अचानक बढ़ गई। बच्चों और बुजुर्गों की हालत तेजी से बिगड़ी। मौतें भी हुईं, हालांकि ऐसे मामलों में जैसा अक्सर होता है मौतों के सरकारी आंकड़ों और मीडिया के आंकड़ों में काफी अंतर है। इस घटना ने यह मिथक तोड़ दिया कि "स्मार्ट सिटी" या बड़े महानगरों में पेयजल की सुरक्षा अपने-आप सुनिश्चित हो जाती है। देश के बड़े हिस्से में पेयजल वितरण नेटवर्क दशकों पुराना है। पाइप-लाइनों में जंग लगा हुआ है और कई क्षतिग्रस्त हैं। जहां पेयजल पाइपलाइनें सीवर लाइन, नालियों या ड्रेनेज के समानांतर और काफी नजदीक बिछी हैं, वहां पाइप के क्षतिग्रस्त होते ही सीवर का गंदा पानी पेयजल लाइन में घुस जाता है। पेयजल पाइपलाइनें जीवनरेखा की तरह होती हैं लेकिन इनकी देखरेख की उपेक्षा के कारण लोग बीमार ही नहीं हो रहे, मौत के आगोश में भी समा रहे हैं। कई शहरों में सड़कें खोदी जाती हैं। इस दौरान पेयजल पाइपलाइनें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। असली समस्या यह है कि इन क्षतिग्रस्त हिस्सों की समय पर पहचान नहीं की जाती। लीकेज का पता चल भी जाए तो उसे सही तरीके से ठीक नहीं किया जाता, बल्कि अक्सर 'जुगाड़' से काम चला लिया जाता है। सामान्यतः यह माना जाता है कि सरकारी नल से आने वाला पानी किसी न किसी स्तर पर फिल्टर या ट्रीट किया गया होगा, इसलिए सुरक्षित है। असलियत यह है कि उपेक्षित पाइपलाइनें दूषित जल घरों तक पहुंचा देती हैं। बाहर की गंदगी, सीवर का पानी पाइपलाइनों में चला जाता है। बारिश के मौसम में पानी भरने, सीवर ओवरफ्लो और नालों के उफान के दौरान यह खतरा कई गुना बढ़ जाता है। नलों से आने वाला ऐसा दूषित पानी दिखने-सूंघने में कभी-कभी सामान्य लगता है लेकिन उसमें डायरिया, टाइफाइड, हैजा, हेपेटाइटिस जैसे रोगों के कीटाणु मौजूद हो सकते हैं। कई परिवार इसी पानी को पीते हैं और भोजन बनाते हैं, जिससे उनका जीवन खतरे में पड़ जाता है। पेयजल लाइनों की देखरेख गवर्नेंस का मुद्दा है। ज्यादातर नगर निगमों और जल बोर्डों के पास न तो पाइपलाइन नेटवर्क का अद्यतन मानचित्र है और न ही नियमित सर्वे की व्यवस्था। लीकेज या दूषित पानी की शिकायतें अक्सर महीनों तक लंबित रहती हैं; फील्ड स्टाफ केवल सतही मरम्मत कर लौट जाता है। इंदौर में भी यही हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि हेल्पलाइन पर 15 अक्टूबर को ही भागीरथपुरा में गंदे पानी की सप्लाई की पहली शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद फिर किसी ने शिकायत की और कहा कि पानी में गंदगी के साथ तेजाब भी है। 18 दिसंबर को भी पानी से बदबू आने की शिकायत दर्ज कराई गई। इन शिकायतों पर समय रहते ध्यान ही नहीं दिया गया। दस दिन भागीरथपुरा क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ गए। 29 दिसंबर को जब मौतों की खबरें आने लगीं, तब प्रशासन की नींद खुली। दिक्कत यह है कि कई शहरों में जल की गुणवत्ता की जांच के लिए लैब तो हैं, लेकिन नमूने नियमित अंतराल पर नहीं लिए जाते। परीक्षण रिपोर्टें सार्वजनिक नहीं होतीं जिससे नागरिकों को अपने क्षेत्र के पानी की गुणवत्ता की वास्तविक स्थिति के बारे में पता ही नहीं चलता। कई बार विकास कार्यों और ठेकेदारों के दबाव में बिना समन्वय के खुदाई होती है और पाइपलाइन टूटने से होने वाले रिसाव का खर्च और जोखिम अंततः जनता को भुगतना पड़ता है। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत 'जीवन के अधिकार' की न्यायिक व्याख्या में बार-बार साफ पानी और स्वच्छ पर्यावरण को शामिल किया गया है। इसका मतलब है कि सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है। इसके बावजूद पेयजल की गुणवत्ता के मानकों का उल्लंघन होने पर शायद ही कभी नगर निकायों या अफसरों पर व्यक्तिगत जवाबदेही तय होती है। नागरिकों की शिकायतों को अक्सर "तकनीकी दिक्कत" कहकर टाला जाता है। अदालतों ने अनेक मामलों में दूषित जल को मूल अधिकार के हनन के रूप में माना है लेकिन जमीनी स्तर पर इन निर्णयों को प्रशासनिक सुधारों में बदलने की रफ्तार बेहद धीमी है। दूषित पेयजल का असर केवल कुछ दिनों के दस्त या बुखार तक सीमित नहीं रहता। बच्चों में लगातार संक्रमण से कुपोषण, बीमारी और लंबी उम्र तक कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता जैसे प्रभाव पड़ते हैं। बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं में निर्जलीकरण, गुर्दे की समस्या और रक्तचाप में अस्थिरता जैसे खतरे बढ़ जाते हैं। जहां रसायन-प्रदूषण (जैसे फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट आदि) की भी समस्या है।

लेकिन इस देश ...

रामस्वरूप रावतसरे

क्या सोमालीलैंड को मान्यता देकर इजरायल अपने हित साधने में सफल होगा ?

इज़राइल द्वारा 26 दिसंबर 2025 को सोमालीलैंड को एक स्वतंत्र देश के रूप में आधिकारिक मान्यता देने वाला पहला देश बन गया है। यह पहली बार है जब किसी देश ने सोमालीलैंड को उसकी 1991 की स्वतंत्रता घोषणा के बाद आधिकारिक रूप से मान्यता दी है। सोमालिया से 34 साल पहले इसने खुद को आजाद घोषित किया था। इजरायल का ये निर्णय न केवल अफ्रीका के हॉर्न क्षेत्र में कूटनीतिक समीकरणों को प्रभावित करेगा, बल्कि इजराइल की विदेश नीति में भी एक बड़े बदलाव को यह दर्शाता है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने विदेश मंत्री गिदोन सा'आर के साथ मिलकर एक वीडियो कॉल के जरिए सोमालीलैंड के राष्ट्रपति अब्दिरह-मान मोहम्मद अब्दुल्लाही के साथ एक जॉइंट डिक्लेरेशन पर साइन किए। नेतन्याहू ने इस घटनाक्रम को 'ऐतिहासिक और निर्णायक' बताते हुए कहा कि यह दोनों देशों के बीच औपचारिक द्विपक्षीय संबंधों की शुरुआत है। इस समझौते के तहत दोनों देशों में दूतावास खोले जाएँगे और राजदूत नियुक्त किए जाएँगे। इससे राजनयिक संबंध स्थापित होंगे। सोमालीलैंड की आबादी लगभग 6.2 मिलियन यानी 62 लाख है। भारत में हैदराबाद की आबादी करीब 67 लाख है यानी हैदराबाद से भी इस देश की जनसंख्या थोड़ी कम है। इजराइल और सोमालीलैंड के बीच हुई फोन बातचीत में नेतन्याहू ने आर्थिक विकास, कृषि और सामाजिक क्षेत्रों में सहयोग का वादा किया। उन्होंने सोमालीलैंड के राष्ट्रपति को इज़राइल की आधिकारिक यात्रा के लिए आमंत्रित किया और संकेत दिया कि वे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से 'अब्राहम समझौते में' सोमालीलैंड को शामिल करने का अनुरोध करेंगे। सोमालीलैंड की सरकार ने इस मान्यता का स्वागत किया है और समझौते पर साइन होते ही देश में जश्न मनाया जाने लगा। हजारों लोग राजधानी हरगेसा के फ्रीडम स्क्वायर में इकट्ठा हुए और सोमालीलैंड के झंडे लहराने लगे। इजराइल द्वारा आजाद देश के रूप में दी गई मान्यता का इन्होंने जमकर जश्न मनाया। को औपचारिक मान्यता मिलने से अफ्रीका और मिडिल ईस्ट में भी भारी विरोध हुआ है। सऊदी अरब ने इस कदम की निंदा की। इसके अलावा अफ्रीकन यूनियन, सोमालिया, मिस्र, तुर्की, जिबूती और दूसरे देशों ने भी इजरायल के इस कदम की निंदा की है। जानकारी के अनुसार सोमालीलैंड एक ब्रिटिश उपनिवेश था जिसने पहली बार 1960 में गृहयुद्ध के बाद आजादी की घोषणा की थी। उस समय इजराइल समेत 34 देशों ने उसे मान्यता दी थी हालाँकि बाद में वह स्वेच्छा से सोमालिया के साथ मिल गया। 1991 में सोमालिया की केंद्र सरकार के पतन के बाद सोमालीलैंड ने पुनः स्वतंत्रता की घोषणा की। तब से अब तक, सोमालीलैंड ने राजनीतिक स्थिरता, लोकतांत्रिक संस्थाएँ, स्वतंत्र मुद्रा और प्रशासनिक ढाँचा विकसित किया है लेकिन वैश्विक मान्यता उसे नहीं मिल सकी थी। कुछ देशों जैसे ब्रिटेन, इथियोपिया, तुर्की, यूएई, डेनमार्क, केन्या और ताइवान ने वहाँ संपर्क कार्यालय बनाए लेकिन आधिकारिक मान्यता नहीं दी। अभी तक यह हॉर्न ऑफ अफ्रीका में एक 'स्वघोषित' आजाद देश है। यह सोमालिया के उत्तर-पश्चिमी इलाके में है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

डॉ. नीरज भारद्वाज

बंगलादेश में अकारण हिंदुओं की हत्या

21वीं सदी विश्व के एकीकरण की बात कर रही है। यह विश्व का एकीकरण मानवता से दूर केवल व्यापार और राजनीतिक हानि-लाभ पर टिका ज्यादा लगता है। व्यापार में शुद्ध व्यापार होता है और वहां कोई किसी का सगा नहीं। विचार करें तो आज व्यापार की दृष्टि से ही लोगों का व्यवहार भी बना हुआ है। जहां लाभ है, वहां प्रेम ज्यादा दिखाई देता है और जहां हानि है, उससे दूरी बना ली जाती है। रिश्तों में भी कुछ अब ऐसा ही दिखाई देने लगा है। परिवार से लेकर देश-विदेश तक यह सभी रिश्तों में यह बातें हमारे सामने उभर कर आ रही हैं। विचार करें तो प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध उपनिवेशों पर विजय प्राप्त करने, उन्हें आपस में बांटकर, उन पर अपना शासन करने को लेकर हुआ। शासन करने वाले देश अपने लाभ के लिए संधियाँ करते रहें। कच्चा माल वे देश देंगे जिन पर शासन हुआ है अर्थात गुलाम देश, उस वस्तु पर लाभ अर्थात मलाई वे देश खायेंगे जो शासन कर रहे हैं। गुलाम देश की जनता को अपने हाल पर मरने के लिए छोड़ दिया जाता था। व्यापार की दृष्टि से आई कंपनियों ने व्यापार के साथ-साथ फिर राजनीतिक हस्तक्षेप कर सारी हदें ही पार कर दी। लोगों को कभी भी किसी भी जुर्म में अंदर कर देना, उन्हें मार देना, उन्हें फांसी पर लटका देना, वहां कभी भी किसी भी समय गोली चला देना, लाठीचार्ज कर देना, आम बात लगती थी। यह सभी बातें अंग्रेजों की शासन व्यवस्था में रही। दूसरी ओर दृष्टि डालें तो मुस्लिम राज व्यवस्था भी ऐसी ही थी। उन्होंने लूटमार कर मंदिरों को तोड़ा, वहां से सोना-चांदी लूटा, औरतों की इज्जत को तार-तार किया, बंदी बनाकर लोगों को जेल में डाल दिया, यह सब सामान्य बात थी। एक दूसरे के रक्त के प्यासे मुस्लिम साम्राज्य में रिश्तों का कत्ल करके सत्ता का रास्ता हाथ लगा। इन दोनों ही प्रकार की राजसत्ताओं ने भारत पर राज किया। हमें आर्थिक रूप से कमजोर किया, हमारी संस्कृति, समाज और व्यवस्था को पूर्ण रूप से भंग करने का यहां भरसक प्रयास किया गया। इन दोनों ही प्रकार के शासनकारों ने भारतवर्ष में अपनी-अपनी दृष्टि से अपना-अपना लाभ कमाया इन दोनों ही प्रकार के शासनकारों ने देश में अपने-अपने धर्म का प्रचार प्रसार करने का प्रयास किया। तलवार और बंदूक के बल पर लोगों को अपने धर्म का अनुनायी बना लिया। लोगों का तेज गति से धर्म परिवर्तन किया गया। मुस्लिम शासन के समय हिंदुओं पर जजिया नाम का कर भी लगा दिया गया था। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों ने तो मुस्लिम धर्म को सरलता से ही स्वीकार कर लिया क्योंकि जब खाने को ही नहीं है तो वह कर के रूप में पैसा कैसे देते। अंग्रेजों ने भी कुछ ऐसे ही किया और जगह-जगह अपने धर्म के प्रचार में जुट गए। धर्म के नाम पर लड़ाई-झगडें, धर्म परिवर्तन करवाना आदि सभी इन शासन कालों में रहे, जो आज तक विश्व में जिंदा है। अब चलते हैं वर्तमान भारतवर्ष के पड़ोसी देशों की ओर जहां कहने को तो प्रजातंत्र है लेकिन वहां धर्म के नाम पर कितना कुछ हो रहा है, इसे भी देख लेना चाहिए।

बुद्धिमान

समस्त जीवात्माओं में आदमी सर्वोत्तम माना जाता है क्योंकि प्रकृति ने उसे ही एक विलक्षण ऋधि प्रदान की है जिसे बुद्धि कहते हैं। वह सृष्टि के प्रारंभ से लेकर आज तक की उसकी विकास यात्रा बुद्धि के सतत प्रयोग से प्राप्त अनिर्वचनीय सिद्धि है । हमारे द्वारा किसी काम के प्रति, करने से पूर्व भली भाँति सोच लेना बुद्धिमत्ता है । वह काम करते करते भी दिमाग़ में कुछ खटका हुआ और सोच-विचार कर लिया तो उसे सतर्कता कह सकते हैं । वह बिना सोचे समझे काम प्रारम्भ कर दिया और सम्पन्न भी कर लिया फिर समझ में आया कि यह तो ग़लत हुआ तो उसे तो सरासर मूर्खता कहेंगे। बुद्धिमान वह है जो यह कहता है कि मैं तकलीफ़ों को आने से रोक तो नहीं सकता पर यह मेरा निर्णय है कि मेरे भाग्य में जब कभी कष्ट द्वार पर लायेगा तो उन्हें मेरे मन के मकान में अड्डा नहीं जमाने दूँगा। हमारे मन में जब प्रश्न पैदा होता हैं तो उत्तर की खोज भी होती हैं। उत्तर की खोज शुरू की जाती है तो यथोचित प्रयास से समाधान भी मिल जाता हैं । आदमी बुद्धि से काम लेता हैं तो कोई रास्ता भी मिल जाता हैं। आत्मा का दीपक बुद्धि है और अन्तर के सद्‌गुणों की सर्चलाईट सदबुद्धि है । मानवता का परम कर्तव्य है कि हम बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने जीवन का उपयोग करें । वह इस अमूल्य निधि का हमसे कभी दुरुपयोग न हो । हमारी मति में असीम क्षमता है पर अफसोस ! नगण्य को ही यह ज्ञात है कि कैसे इसका उपयोग मानवीय प्रगति में करें । अतः अभीष्ट है हर मानव इस असीम ज्ञान के भण्डार का अधिकाधिक उपयोग ही नहीं , सदुपयोग करे , न केवल स्वयं के लिए, अपितु समग्र मानवता के कल्याण में योगभूत बने । हमारी इस दुनिया में सफलता के लिए बुद्धि का विकास होना बहुत जरूरी हैं । नंदी सूत्र में बुद्धि के अनेक प्रकार बतलाए गए है । औत्पत्तिकी , वैनयिकी , कार्मिकी, पारिणामिकी ये चार मुख्य प्रकार हैं । मनुष्य बुद्धि बल से बड़ी- बड़ी समस्याओं को पार कर देता हैं । बुद्धिहीन मानव उलझ जाता हैं । वह समस्या को नहीं सुलझा सकता हैं । वह सब लोगों में बुद्धि समान नहीं होती हैं । कहते हैं कि आचार्य भिक्षु में औत्पत्तिकी बुद्धि थी । औत्पत्तिकी बुद्धि वह हैं, जिसमें बाहर से नहीं भीतर से समाधान निकलता हैं । उसका तात्पर्य यह हैं कि आज तक जिसके बारे में सुना नहीं , जाना नहीं ,पढ़ा नहीं आदि आदि फिर भी उस विषय पर कोई प्रश्न आए तो उत्तर तत्काल तैयार होता हैं । इस बुद्धि से सम्पन्न बहुत कम लोग होते हैं किंतु अभ्यास के द्वारा बुद्धि का विकास करने वाले लोग हम देख सकते हैं । बुद्धिहीन आदमी कुछ कर नहीं पाते हैं और असफल हो जाते हैं । अगर कोई कहता है कि वह आज के मुक़ाबले कल अधिक बुद्धिमान था तो समझ लो वह आज भी उतना ही बुद्धिमान है जो इतना निर्णय कर सकता है।बुद्धि सफलता का द्वार हैं । विद्वता व बुद्धिमत्ता प्राप्त ज्ञान का लेकर उचित संज्ञान करना उसका समुचित उपयोग है ।यह तब होता है जब पुण्य कर्मों का हो सुयोग हो । वास्तविक विद्वता बिना मानवीय आचार और विनम्र व्यवहार उजागर नहीं होती हैं । विद्वान का प्रथम लक्षण है विद्वता के साथ इनसानियत हो। यह तभी हो सकता है जब पढ़ा है जो विद्या में वह दैनिक आचरण का आधार बने। हम समझें इनसान को सफल समय नहीं बनाता पर विद्वान विद्या का सही उपयोग कर प्रबल हो जाता है । सफलता के लिए बहुत आवश्यक बुद्धि हैं ।बोद्धिक विकास बहुत महत्वपूर्ण होता हैं । बुद्धि तजुर्बे के साथ बढ़ती है। वह जहां बोद्धिक विकास नहीं होता हैं, वहां कोई बड़ा काम नहीं हो सकता हैं । जीवन है तो उठा-पटक नदी-नाले हार-जीत के मार्ग अवरोधक आदि से सामना करना ही पड़ता है। बुद्धिमान वही हैं जो इससे विफल नहीं हो। वह शान्त-चित्त हर बाधा को दूर करे और उससे पाठ लेता हुआ आगे बढ़ता रहे।

› प्रदीप छाजेड़

बांग्लादेश ने आईपीएल का प्रसारण बैन किया

मुस्तफिजुर को लीग से बाहर किए जाने पर फैसला, टी-20 वर्ल्डकप में टीम भी भारत नहीं भेजेगा

ढाका, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) को लेकर बांग्लादेश सरकार ने बड़ा और कड़ा कदम उठाया है। बांग्लादेश सरकार ने देश में IPL के प्रचार, प्रसारण और पुनः प्रसारण पर अगले आदेश तक पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। यह निर्णय भारत के क्रिकेट बोर्ड (BCCI) द्वारा बांग्लादेश के स्टार तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) टीम से बाहर किए जाने के फैसले के विरोध में लिया गया है। बांग्लादेश के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से सोमवार को इस संबंध में आधिकारिक निर्देश जारी किए गए। मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि 26 मार्च से शुरू होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग में मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करने का निर्णय बिना किसी ठोस और तार्किक कारण के लिया गया है, जो बांग्लादेश की जनता और देश के क्रिकेट प्रेमियों के लिए अपमानजनक है। सूचना एवं प्रसारण

मंत्रालय के बयान में स्पष्ट शब्दों में कहा गया कि मुस्तफिजुर रहमान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश के सबसे भरोसेमंद और सफल गेंदबाजों में से एक हैं। ऐसे खिलाड़ी को बिना स्पष्ट कारण के टूर्नामेंट से बाहर करना न केवल खेल भावना के खिलाफ है, बल्कि यह बांग्लादेश के प्रति असम्मानजनक रवैया भी दर्शाता है।बयान में आगे कहा गया कि यह फैसला दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय और अस्वीकार्य है। सरकार का मानना है कि इस निर्णय से बांग्लादेश के क्रिकेटरों और देश की खेल प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है।

बांग्लादेश के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के निर्देश...

एक दिन पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 वर्ल्ड कप खेलने के लिए अपनी टीम भेजने से इंकार कर दिया था। इतना ही नहीं, BCB ने ICC से अपने मैच श्रीलंका में कराने का अनुरोध किया था। BCB ने इस मीडिया रिलीज में जानकारी दी।

पाकिस्तान भी भारत में नहीं खेलेगा

टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान पहले से अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करा चुका है। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक विवादों के कारण दोनों ही टीमें एक-दूसरे के देश में क्रिकेट नहीं खेलतीं। भारत ने पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान में नहीं खेले थे।

अब पाकिस्तान भी भारत में टी-20 वर्ल्ड कप के मैच नहीं खेलेगा। यहां तक कि भारत-पाकिस्तान मैच भी श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा। अगर बांग्लादेश के मैच श्रीलंका शिफ्ट हुए तो ऐसा दूसरी टीम के साथ होगा, जो विवादों के कारण भारत में वर्ल्ड कप नहीं खेलने वाली।

बीसीसीआई ने रहमान को आईपीएल से बाहर किया था

3 जनवरी को कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने मुस्तफिजुर को टीम से बाहर कर दिया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रही हिंसा के बीच उन्हें टीम से हटाने की मांग उठ रही थी। इसके बाद BCCI ने शाहरुख खान की IPL टीम KKR को मुस्तफिजुर रहमान को हटाने का आदेश दिया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। बांग्लादेश में पिछले 16 दिन में 4 हिंदुओं की हत्या की जा चुकी है।

डेमियन मार्टिन की सेहत में सुधार, कोमा से बाहर आए

1999-2003 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम में शामिल थे

- मार्टिन ने 2006 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।
- भारत के खिलाफ 2003 वर्ल्ड कप फाइनल में नाबाद 88 रन बनाए।

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेमियन मार्टिन की सेहत में सुधार हुआ है। मेनिन्जाइटिस के चलते इंड्यूस्ड कोमा में रहने वाले 54 साल के मार्टिन अब होश में आ चुके हैं और डॉक्टर उन्हें जल्द ही आईसीयू से बाहर शिफ्ट करने की उम्मीद जता रहे हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और उनके करीबी दोस्त एडम

गिलक्रिस्ट ने बताया कि पिछले 48 घंटे में हालात पूरी तरह बदल गए हैं। गिलक्रिस्ट के मुताबिक, मार्टिन अब बात करने लगे हैं और इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मार्टिन को 27 दिसंबर को गंभीर हालत में ब्रिस्बेन के एक अस्पताल में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। बॉक्सिंग डे के दिन अचानक मार्टिन की तबीयत बिगड़ गई थी। डेमियन मार्टिन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 67 टेस्ट और 208 वनडे मैच खेलते हुए शानदार बल्लेबाजी की है। इसके अलावा वे चार टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले में भी खेले हैं। अपने करियर में मार्टिन ने टेस्ट क्रिकेट में 4406 रन बनाए, जबकि वनडे में उनके नाम 5346 रन दर्ज हैं। 2006 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी वे क्रिकेट से जुड़े रहे। मार्टिन 1999 और 2003 की वर्ल्ड कप विजेता ऑस्ट्रेलियाई टीम में भी शामिल थे। 2003 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत के खिलाफ उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। मार्टिन ने 84 बॉल पर नाबाद 88 रन बनाए और कप्तान रिकी पोंटिंग के साथ 234 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवरों में 359/2 का बड़ा स्कोर बनाया था।

फास्ट न्यूज

'अस्पताल के अंदर 200 पुलिसवाले थे'

नई दिल्ली। साल 2024 में एक्टर गोविंदा ने गलती से खुद को गोली मार ली थी। घटना के तुरंत बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। जिसके बाद उनकी सर्जरी की गई थी। हाल ही में इस घटना को लेकर गोविंदा की भांजी और एक्ट्रेस रागिनी खन्ना ने बात की है। पत्रकार विक्की लालवानी के साथ बातचीत में रागिनी ने बताया कि गोविंदा को गोली लगने की जानकारी उन्हें अपनी मां से मिली थी।

सेंसेक्स 322 अंक गिरकर 85,439 पर बंद

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 5 जनवरी को गिरावट रही। सेंसेक्स 322 अंक गिरकर 85,439 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 78 अंक की गिरावट रही, ये 26,250 के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि निफ्टी ने आज कारोबार के दौरान नया रिकॉर्ड हाई बनाया, इसने 26,373 के स्तर को छुआ। आज IT और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। शेयर बाजार में आज यानी 2 जनवरी को तेजी रही थी। सेंसेक्स 573 अंक चढ़कर 85,762 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने आज कारोबार के दौरान नया रिकॉर्ड हाई बनाया, इसने 26,340 के स्तर को छुआ था। इसके बाद निफ्टी 182 अंक चढ़कर 26,328 के स्तर पर बंद हुआ था। ये निफ्टी का नया क्लोजिंग हाई भी है। शेयर बाजार में आज यानी 2 जनवरी को तेजी रही थी। सेंसेक्स 573 अंक चढ़कर 85,762 के स्तर पर बंद हुआ था।

सीईओ कैंपबेल विल्सन को निकाल सकती है एअर इंडिया

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की ओनरशिप वाली एयरलाइन एअर इंडिया में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एअर इंडिया के मौजूदा CEO और मैनेजिंग डायरेक्टर (MD) कैंपबेल विल्सन को हटाया जा सकता है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन एयरलाइन की कमान संभालने के लिए एक नए CEO की तलाश कर रहे हैं। विल्सन का कार्यकाल चुनौतियों से भरा रहा है।

धर्मेंद्र के निधन पर पहली बार बोलीं हेमा मालिनी

कहा- उन्हें आंखों के सामने टूटते देखना मुश्किल था

मुंबई, एजेंसी

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 24 नवंबर को निधन हो गया है। अब हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र के निधन के बाद पहली बार इस सदमे से उबरने पर बात की है। उनका कहना है कि ये एक ऐसा सदमा है, जिसे संभाल पाना नामुमकिन था। उन्होंने ये भी बताया कि हॉस्पिटल में ईशा, अहाना, सनी बॉबी सब साथ थे। सबको उम्मीद थी कि इस बार भी हर बार की तरह पूरी तरह ठीक होकर घर लौट आएंगे। हेमा मालिनी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में धर्मेंद्र के निधन पर बात करते हुए कहा है, 'यह एक ऐसा सदमा था जिसे संभाल पाना नामुमकिन था। हालात बहुत बुरे थे, क्योंकि एक महीने तक जब उनकी तबीयत ठीक नहीं थी, हम लगातार संघर्ष कर रहे थे। अस्पताल में जो कुछ भी हो रहा था, उससे हम जूझने की लगातार कोशिश कर रहे थे। हम सभी वहां थे, ईशा, अहाना, सनी, बॉबी, सब साथ में। पहले भी कई

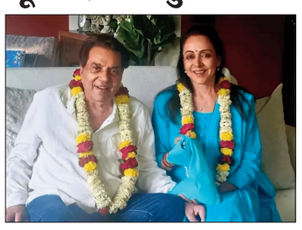

बार ऐसा हुआ था कि वह अस्पताल गए और ठीक होकर घर लौट आए। हमें लगा था कि इस बार भी वह लौट आएंगे।' आगे एक्ट्रेस ने कहा, 'वह हमसे बहुत प्यार से बात कर रहे थे। मेरे बर्थडे (16 अक्टूबर) पर उन्होंने मुझे शुभकामनाएं भी दी थीं। 8 दिसंबर को उनका जन्मदिन आने वाला था, जब वह 90 साल के होने वाले थे, और हम उसे अच्छे से मनाने की तैयारी कर रहे थे। तैयारियां चल रही थीं और फिर अचानक वह हमारे बीच नहीं रहे। उन्हें अपनी आंखों के सामने इस तरह टूटते देखना बहुत मुश्किल था।

इंस्टाग्राम पर दी जानकारी, बोले- इस कहानी में कोई विलेन नहीं है

शादी के 14 साल बाद जय भानुशाली-माही विज हुए अलग

मुंबई, एजेंसी

टीवी एक्टर जय भानुशाली और एक्ट्रेस माही विज ने अलग होने का फैसला किया है। इस फैसले की जानकारी जय ने सोशल मीडिया के जरिए दी। उन्होंने एक आधिकारिक बयान शेयर कर इस फैसले की पुष्टि की। सोमवार को जय और माही ने इंस्टाग्राम पर एक साझा बयान पोस्ट किया। इसमें कहा गया, आज हम जिंदगी के सफर में अलग रास्ते चुन रहे हैं, लेकिन हम एक-दूसरे का साथ देना जारी रखेंगे। शांति, आगे बढ़ना, दयालुता और इंसानियत हमेशा से हमारी सोच का हिस्सा रही है। बयान में दोनों ने अपने बच्चों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, "हमारे बच्चों तारा, खुशी और राजवीर के लिए हम अच्छे माता-पिता और अच्छे दोस्त बने रहेंगे। उनके लिए जो सही होगा, वह करने की पूरी कोशिश करेंगे।"

बयान के आखिर में जय ने कहा कि वह और माही आगे भी एक-दूसरे का सम्मान करेंगे। उन्होंने कहा, "हम एक-दूसरे को सपोर्ट करते रहेंगे और दोस्त बने रहेंगे। हम आप सभी से समझदारी और सम्मान की उम्मीद करते हैं।"

साल 2011 में हुई थी जय और माही की शादी

जय और माही की शादी साल 2011 में हुई थी। दोनों ने 2017 में अपने हाउस हेल्प के बच्चों राजवीर और खुशी को गोद लिया था। इसके 2 साल बाद साल 2019 में माही ने बेटी तारा को जन्म दिया। बता दें कि जय और माही टीवी इंडस्ट्री के फेमस कलाकार हैं। दोनों ने कई फेमस टीवी शो में काम किया है और कुछ प्रोजेक्ट्स में साथ भी नजर आए हैं। साल 2013 में उन्होंने डांस रियलिटी शो नच बलिए 5 में हिस्सा लिया था। इसके बाद 2016 में दोनों खतरों के खिलाड़ी 7 में एक ही सीजन के प्रतियोगी रहे।

लगा खुद को देख रहा हूं, कॉमेडियन ने जया बच्चन के बयान पर भी ली फिरकी

सुनील ग्रोवर की मिमिक्री पर आमिर खान ने दिया रिएक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

द ग्रेट कपिल शर्मा के हालिया एपिसोड में कॉमेडियन सुनील ग्रोवर ने आमिर खान का गेटअप लिया और उनकी बेहतरीन अंदाज में मिमिक्री की। फैंस के अलावा आमिर खान को भी सुनील ग्रोवर की मिमिक्री काफी पसंद आई। उन्होंने इस पर रिएक्ट करते हुए कहा है कि सुनील को देखकर उन्हें लगा वो खुद को देख रहे हैं। हाल ही में बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में आमिर खान ने सुनील ग्रोवर की मिमिक्री पर कहा है, "मैं इसे मिमिक्री भी नहीं कहूंगा। यह इतना असली था कि मुझे लगा मैं खुद को ही देख रहा हूं। मैंने इसका एक छोटा-सा क्लिप देखा है। अब मैं पूरा एपिसोड देखने वाला हूं। लेकिन जो मैंने देखा, वह अनमोल था। मैं इतना हंस रहा था कि सांस लेना तक मुश्किल हो गया।"

आमिर ने ये भी कहा है कि सुनील ग्रोवर द्वारा नकल उतारे जाने से उन्हें जरा भी बुरा नहीं लगा है। उन्होंने कहा, 'इसमें बिल्कुल भी कोई बुरी नीयत नहीं थी। मैं तो सबसे ज्यादा हंसा।' द ग्रेट कपिल शर्मा के हालिया एपिसोड में कॉमेडियन सुनील ग्रोवर ने आमिर खान का गेटअप लिया और उनकी बेहतरीन अंदाज में मिमिक्री की। फैंस के अलावा आमिर खान को भी सुनील ग्रोवर की मिमिक्री काफी पसंद आई।

"बता दें कि शो में कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे बतौर गेस्ट शामिल हुए थे। वो अपनी हालिया रिलीज फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी का प्रमोशन करने पहुंचे थे। इस दौरान सुनील ग्रोवर ने ठीक वैसे ही कपड़े पहने, जैसे आमिर खान अक्सर एयरपोर्ट पर पहनते हैं। आमिर खान के अलावा कई फैंस भी सुनील ग्रोवर की तारीफ कर रहे हैं। कुछ लोग उनकी तुलना एआई से कर रहे हैं।"

सुनील ग्रोवर ने जया बच्चन के विवादित बयान पर भी ली फिरकी

द ग्रेट कपिल शर्मा शो में सुनील ग्रोवर ने आमिर की नकल उतारते हुए जया बच्चन के पैपराजी पर दिए गए बयान पर भी फिरकी ली है। दरअसल, जया बच्चन ने कहा था कि पैपराजी गंदे पेंट पहनते हैं। अब द ग्रेट कपिल शर्मा शो में सुनील ने आमिर बनकर एक्ट किया।

सोना ₹939 बढ़कर ₹1.36 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ

चांदी ₹2,225 महंगी होकर ₹2.37 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 5 जनवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 939 रुपए बढ़कर 1,35,721 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,34,782 रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 2,225 रुपए बढ़कर 2,36,775 रुपए पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,34,550 रुपए किलो थी। इससे पहले 29 दिसंबर 2025 को सोना 1,38,161 रुपए और चांदी 2,43,483 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं। पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर

2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि चांदी की डिमांड में अभी तेजी है जिसके आगे भी बने रहने का अनुमान है। ऐसे में चांदी इस साल 2.75 लाख तक जा सकती है। वहीं अगर सोने के बात करें तो इसकी डिमांड में भी तेजी बनी हुई।

अमेरिका में भारतीय महिला की हत्या

एक्स बॉयफ्रेंड पर आरोप, उसी के अपार्टमेंट में शव मिला, आरोपी अर्जुन भागकर भारत आया

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के मैरीलैंड राज्य में न्यू ईयर से लापता एक भारतीय महिला का शव उसके एक्स बॉयफ्रेंड के अपार्टमेंट से बरामद हुआ है। महिला के शरीर पर चाकू से वार के निशान मिले हैं। पुलिस ने मामले में उसके एक्स बॉयफ्रेंड के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। हावर्ड काउंटी पुलिस के मुताबिक, 27 वर्षीय निकिता गोदिशाला का शव कोलंबिया इलाके में उसके एक्स बॉयफ्रेंड अर्जुन शर्मा के अपार्टमेंट से मिला। पुलिस ने अर्जुन शर्मा के खिलाफ फर्स्ट और सेकंड डिग्री मर्डर का गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। पुलिस का कहना है कि अर्जुन शर्मा ने 2 जनवरी को निकिता की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन उसी दिन वह अमेरिका से भारत भाग गया। अधिकारियों को शक है कि 31 दिसंबर की शाम करीब 7 बजे अर्जुन ने निकिता की हत्या की। हॉवर्ड काउंटी पुलिस अमेरिकी फेडरल एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मिलकर अर्जुन की तलाश कर रही है। अमेरिकी अटॉर्नी ऑफिस इंटरपोल के

अमेरिका के कोलंबिया में काम करने वाली निकिता गोदिशाला की न्यू ईयर की शाम से लापता थीं। अब उनका शव एक्स बॉयफ्रेंड के अपार्टमेंट से बरामद हुआ।

तस्वीर हत्या के आरोपी अर्जुन शर्मा की है।

जरिए रेड नोटिस जारी करने की तैयारी में है। रेड नोटिस जारी होने पर करीब 200 देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, को आरोपी की जानकारी दी जाती है, ताकि उसे गिरफ्तार किया जा सके। अमेरिका और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि है, लेकिन आरोपी को भारत से वापस लाने की प्रक्रिया में कई महीने लग सकते हैं। भारत के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बयान जारी कर कहा है कि वह निकिता के परिवार के संपर्क में है और हर संभव सहायता दी जा रही है। निकिता एक हेल्थकेयर प्रोफेशनल और डेटा एनालिटिक्स एक्सपर्ट थीं। उन्होंने भारत की जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से डॉक्टर ऑफ फार्मेसी (PharmD) की डिग्री ली थी। बाद में उन्होंने अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड, बाल्टीमोर काउंटी से हेल्थ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में मास्टर्स किया था।

देश की सुरक्षा के लिए जरूरी, डेनमार्क पीएम बोलीं- धमकियां देना बंद करें अमेरीकी राष्ट्रपति

ट्रम्प ने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात दोहराई

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर ग्रीनलैंड पर अमेरिका का नियंत्रण चाहने की बात दोहराई है। इससे डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं में गुस्सा भड़क गया है। ट्रम्प ने सोमवार को एयर फोर्स वन पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड बहुत जरूरी है और वहां रूसी और चीनी जहाजों की मौजूदगी चिंता की बात है। इससे पहले द अटलांटिक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में भी ट्रम्प ने कहा था कि रक्षा के लिहाज से ग्रीनलैंड अमेरिका को चाहिए। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सेन ने ट्रम्प की इस टिप्पणी पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और कहा कि अमेरिका का ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात करना पूरी तरह बेतुकी है। वहीं ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नीलसन ने भी ट्रम्प की टिप्पणियों को गलत और अपमानजनक बताया अमेरिकी सेना के वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो

और उनकी पत्नी को पकड़कर न्यूयॉर्क ले जाने के बाद यह विवाद और गहरा गया है। मादुरो पर ड्रग तस्करी के आरोपों में मुकदमा चलाया जाएगा। डेनमार्क नाटो का सदस्य है और अमेरिका के साथ पहले से ही उसका रक्षा समझौता है, जिसके तहत ग्रीनलैंड में पहले से अमेरिकी पहुंच है। नीलसन बोले, हम स्वतंत्र चुनावों और मजबूत संस्थानों वाला एक लोकतांत्रिक समाज हैं। हमारी स्थिति अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त समझौतों पर आधारित है। इस पर कोई सवाल नहीं है। ग्रीनलैंड सरकार शांतिपूर्वक और जिम्मेदारी से अपना काम जारी रखे हुए है। वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई के ठीक बाद व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी स्टीफन मिलर

डेनमार्क पीएम बोली- अमेरिका के पास डेनिश साम्राज्य हड़पने का अधिकार नहीं है

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सेन ने स्पष्ट शब्दों में कहा, अमेरिका को ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कोई जरूरत नहीं है और न ही उसके पास डेनिश साम्राज्य के किसी भी हिस्से को हड़पने का कोई अधिकार है। फ्रेडरिक्सेन ने ट्रम्प से करीबी सहयोगी देश के खिलाफ धमकियां देना बंद करने की अपील की और याद दिलाया कि ग्रीनलैंड के लोग खुद स्पष्ट कह चुके हैं कि वे बिकाऊ नहीं हैं।

ग्रीनलैंड पीएम बोले- हमारा देश बिकने वाला नहीं

ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नीलसन ने कहा कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति ग्रीनलैंड को वेनेजुएला से जोड़कर सैन्य हस्तक्षेप की बात करते हैं, तो यह न केवल गलत है बल्कि हमारे लोगों के प्रति अनादर है। नीलसन ने 4 जनवरी को बयान जारी कर कहा- मैं शुरू से ही शांत और स्पष्ट रूप से यह कहना चाहता हूं कि घबराहट या चिंता का कोई कारण नहीं है। केटी मिलर के पोस्ट से, जिसमें ग्रीनलैंड को अमेरिकी झंडे में लिपटा हुआ दिखाया गया है, इससे कुछ भी नहीं बदलता।

की पत्नी कैटी मिलर ने सोशल मीडिया पर ग्रीनलैंड का नक्शा अमेरिकी झंडे के रंग में रंगा हुआ पोस्ट किया। इससे यह विवाद और बढ़ गया। मिलर ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा रूजल्द हीर। इससे ग्रीनलैंड और डेनमार्क में अमेरिकी कब्जे की आशंकाएं बढ़ गईं। ट्रम्प लंबे समय से ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने की बात करते रहे हैं। जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, खनिज संसाधनों और

अमेरिकी अधिकारी स्टीफन मिलर की पत्नी कैटी मिलर ने सोशल मीडिया पर ग्रीनलैंड का यह मैप पोस्ट किया था, जो अमेरिकी झंडे के रंग में रंगा हुआ था।

आर्कटिक क्षेत्र में रूस-चीन की गतिविधियों का हवाला दिया है।

मेरी औकात याद दिलाई गई : नेहा सिंह राठौर

जिंदगी में पहली बार कोतवाली गई, सवाल पूछना अपराध तो फांसी दे दें

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लोक गायिका नेहा सिंह राठौर शनिवार रात 9 बजे लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली बयान दर्ज कराने पहुंची थीं। यहां करीब 2 घंटे रहीं, लेकिन पुलिस ने बिना बयान लिए ही उन्हें लौटा दिया। घर जाते समय नेहा ने कहा था- पुलिस ने बताया है कि किसी महिला का बयान रात में दर्ज नहीं कर सकते। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा था- चौकीदरवा कायर बा...। इसके बाद वाराणसी और लखनऊ में उनके खिलाफ FIR दर्ज हुई थी। करीब 15 दिन पहले हजरतगंज कोतवाली पुलिस ने उनको बयान देने के लिए नोटिस भेजा था। उस समय नेहा ने तबीयत का हवाला दिया था। बीते शुक्रवार को फिर उनको नोटिस भेजा गया। इसके बाद शनिवार रात पति के साथ कोतवाली पहुंचीं। करीब 2 घंटे रहीं, लेकिन पुलिस ने बिना बयान लिए ही उन्हें लौटा दिया। घर जाते समय नेहा ने कहा था- पुलिस ने बताया है कि किसी महिला का बयान रात में दर्ज नहीं कर सकते। फिर से नोटिस भेजकर बुलाएंगे। मामला दर्ज होने के बाद नेहा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल X पर एक वीडियो पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा था- पहलगाम हमले के जवाब में सरकार ने अब तक क्या किया है? क्या आपने मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज की है? अगर हिम्मत है, तो जाकर आतंकवादियों के सिर

ये उस वक्त की तस्वीर है, जब नेहा अपने पति हिमांशु के साथ हजरतगंज थाने पहुंची थीं।

इस बीच रविवार रात नेहा ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें पुलिस के नोटिस, कोतवाली में बुलाने की वजह और कोतवाली के अनुभव बताए और सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा- जिंदगी में पहली बार किसी पुलिस कोतवाली में गई। मुझे नोटिस भेजकर थाने बुलाना 'औकात' याद दिलाने जैसा है। अगर सवाल पूछना गलत है तो फांसी दे दीजिए, ताकि लोग ऐसा करने से डरें।

2 समुदायों के बीच नफरत फैलाने का आरोप

22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले को लेकर नेहा ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए थे। सरकार पर सवाल उठाए थे। इन पोस्टों से आहत होकर अभय प्रताप सिंह ने हजरतगंज कोतवाली में नेहा के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर दो समुदायों के बीच नफरत फैलाने और देश की अखंडता को तोड़ने वाली पोस्ट की है। अभय प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि नेहा सिंह राठौर की हरकतें सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने और अशांति पैदा करने के उद्देश्य से की गई थीं। उन्होंने दावा किया कि राठौर की पोस्ट, जिन्हें पाकिस्तान में व्यापक रूप से शेयर किया गया।

वापस लाओ! वीडियो के अंत में नेहा कहती हैं कि सरकार को गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों से लड़ना चाहिए था, लेकिन वह एक कलाकार और नागरिक से लड़ रही है। उन्होंने कटाक्ष के अंदाज में कहा कि अगर सवाल पूछना ही सबसे बड़ा अपराध है, तो सरकार उन्हें देशहित में कड़ी सजा दे दें।

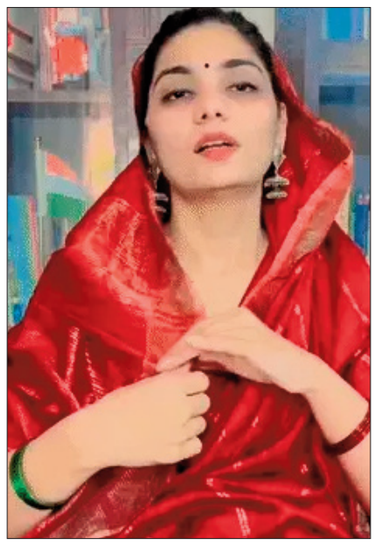

वामपंथी दलों का वेनेजुएला समर्थन में विरोध प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों ने डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ नारे लगाए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में वामपंथी दलों का विरोध प्रदर्शन परिवर्तन चौक से कलेक्ट्रेट तक वेनेजुएला के समर्थन में विरोध मार्च निकाला। हाथों में लाल झंडा और वेनेजुएला के समर्थन में प्ले कार्ड लेकर प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे 'तानाशाही हो बर्बाद डोनाल्ड ट्रंप मुर्दाबाद' के नारे लगाए। रमेश सेंगर ने कहा कि वेनेजुएला हमारा प्यार रहा है । हमारा मित्र रहा है वहां की जनता से हमारी गहरी मित्रता रही है। अमेरिका की दादागिरी पूरे विश्व में चल रही है पिछले दिनों फलस्तीन को बर्बाद किया , गाजा में लाखों निर्दोषों की को बर्बाद दिया और अब वेनेजुएला के तेल की लूट के लिए अमेरिका यह पूरा खेल कर रहा है और उसके पीछे पड़ गया है । तेल के लिए वेनेजुएला निराधार आरोप लगाए जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पूरी

प्रदर्शन में शामिल कम्युनिस्ट नेता रमेश सेंगर ने कहा कि अमेरिका और वहां के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी तरह तानाशाही कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से वेनेजुएला पर हमला किया गया और वहां के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को गिरफ्तार किया गया ये बेहद शर्मनाक है। एक देश के मुखिया और प्रथम महिला नागरिक के साथ ऐसा व्यवहार किसी भी लोकतंत्र के लिए स्वास्थ्य देह नहीं ।

दुनिया इस घटना की निंदा कर रही है मगर हमारी सरकार इस पर खामोश है। हमारे विश्वगुरु 56 इंच वाले चुप हैं, न निंदा कर रहे हैं, न कुछ बोल रहे हैं। हमारी सरकार को स्पष्ट नीति अपनाना चाहिए। अमेरिका विश्व स्तर पर गुंडागर्दी कर रहा है। लंबे समय तक उसने कहा कि सद्दाम हुसैन के पास जैविक हथियार है बाद में वहां कुछ भी नहीं मिला। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में अमेरिका की सरकार के खिलाफ मुकदमा चलना चाहिए। अमेरिका जैसे तमाम मुल्क मिलकर सिर्फ वेनेजुएला का तेल लूटना चाहते हैं डोनाल्ड ट्रंप को वहां के लोग ही पागल कह रहे हैं और उसका पूरा विरोध हो रहा है।

फास्ट न्यूज

ड्राइवर ने मालकिन को फोटो वायरल करने की धमकी दी

लखनऊ। लखनऊ के राजाजीपुरम इलाके में एक महिला ने अपने ड्राइवर पर ब्लैकमेलिंग, चोरी और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। आरोपी ड्राइवर ने अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर 5 लाख रुपए की मांग की है। इसके अलावा आरोपी घर से कीमती जेवर भी लेकर भाग गया।

गर्लफ्रेंड ने विदेशी बॉयफ्रेंड को चाकू से गोदकर मार डाला

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में गर्लफ्रेंड ने अपने विदेशी बॉयफ्रेंड के सीने पर चाकू से हमला कर दिया। जब खून बहने लगा, तो गर्लफ्रेंड उसे खुद हॉस्पिटल लेकर पहुंची। लेकिन विदेशी नागरिक की मौत हो चुकी थी। हॉस्पिटल मैनेजमेंट ने से मिली सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पूछताछ में युवती ने बताया- मैंने जान-बूझकर नहीं मारा। हम लोग पार्टी कर रहे थे। तभी झगड़ा हो गया। मुझे गुस्सा आ गया, तो मैंने उसके सीने पर चाकू मार दी। पुलिस ने युवती को गिरफ्तार कर लिया है। युवती मणिपुर की और उसका ब्वॉयफ्रेंड साउथ कोरिया का रहने वाला था। साउथ कोरिया का रहने वाला डक ही यू एक मोबाइल कंपनी में मैनेजर था। उसका मणिपुर की लुंजेना पमाई के साथ अफेयर था। दोनों दो साल से लिव-इन रिलेशन-शिप में थे। एक साथ नोएडा सेक्टर 150 के पायस हाइड वेज नाम के सोसाइटी में रहते थे।

जेल अफसर नाचने-गाने में मस्त रहे, दो कैदी भाग निकले

कन्नौज। कन्नौज जिला जेल से दो बंदी फरार हो गए। रात में जिला जेल में न्यू ईयर की पार्टी रखी गई थी। इसी का फायदा उठाकर कैदियों ने कंबल को आपस में जोड़कर रस्सी जैसा बनाया और दीवार को फांदकर निकल गए। दीवार की ऊंचाई 22 फीट से ज्यादा है, जिसे फांदकर बंदी भागे हैं। रात में जेल के सभी कैदियों को बैरक भेजा गया, लेकिन गिनती नहीं हुई। सुबह जब सभी कैदी निकाले गए तो गिनती में दो कैदी कम निकले।

पॉलिटेक्निक चौराहे पर चलती बाइक में लगी आग

युवक ने कूदकर बचाई जान, जलकर राख हुई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पॉलिटेक्निक चौराहे के पास सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक दोपहिया वाहन में अचानक आग लग गई। घटना आज दिनांक 05 जनवरी 2026 को सुबह करीब 10 बजे की है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, पॉलिटेक्निक चौराहे के पास एक पल्सर बाइक संख्या UP 32 GH 7163 में अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई। बाइक चला रहे सोनू राजपूत (36 वर्ष) निवासी मुंशीपुरवा, थाना गाजीपुर, अपनी बाइक से कलेवा से पॉलिटेक्निक होते हुए निजी कार्य से जा रहे थे। चौराहे पर पहुंचते ही बाइक से धुआं निकलने लगा और कुछ ही पलों में आग भड़क उठी। सूचना मिलने पर क्षेत्र में भ्रमणशील उप निरीक्षक अभिषेक वर्मा एवं आरक्षी निरकुंश कुमार

तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने आसपास मौजूद लोगों की सहायता से आग को नियंत्रित कर बुझाया। हालांकि आग की चपेट में आने से बाइक पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन बाइक चालक पूरी तरह सुरक्षित रहा। घटना में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। आग बुझने के बाद जली हुई बाइक को सड़क किनारे हटवा दिया गया, जिससे यातायात पूरी तरह सामान्य हो गया। मौके पर स्थिति शांतिपूर्ण बनी रही।बताया जा रहा है कि सोनू राजपूत पेशे से वाहन वॉश करने की दुकान चलाते हैं।

एनजीओ संचालिका ने पार्षद व निगम टीम पर लगाए बदसलूकी के आरोप

स्ट्रीट डॉग्स पकड़ने को लेकर हुए विवाद में युवती से कथित तौर पर हाथापाई और अभद्रता, चौक थाने में दी गई तहरीर

- युवती ने अपने शरीर पर कई जगहों पर लगे नाखून के निशान दिखाए।
- युवती ने अपने लगे पर लगे नाखून के निशान दिखाए।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में युवती ने नगर निगम की एनिमल कैचर टीम और स्थानीय पार्षद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती स्ट्रीट डॉग्स के लिए NGO चलाती है। आज सुबह जब नगर निगम की एनिमल कैचर टीम कुत्तों को पकड़ने पहुंची तो इसकी सूचना NGO को मिली। NGO अध्यक्ष युवती वहां पहुंच गई। NGO अध्यक्ष ने बताया- मैंने सिर्फ इतना कहा कि उन्हीं डॉग्स को ले जाइए, जो काटते हों। इतने में ही नगर निगम की टीम

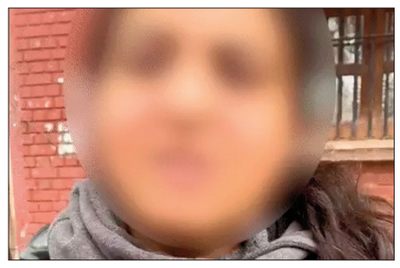

ने बहस शुरू कर दी और पार्षद को बुला लिया। स्थानीय पार्षद अनुराग मिश्रा और सुनील सिंह नाम के व्यक्ति ने मेरे साथ बदसलूकी शुरू कर दी। पार्षद ने मुझे पीछे से पकड़कर घसीटा। लोग मुझे धकेलते हुए गली में ले गए। दीवार पर दबाए रखा। हाथ पकड़ लिए। इस दौरान लोग मेरी छाती छूते रहे। वीडियो बनाने पर मेरा फोन छीनकर फेंक दिया। घटना चौक थाना क्षेत्र की है। रविवार को लखनऊ नगर निगम की टीम घुमंतू कुत्तों को पकड़ने गई थी। उसी दौरान यह घटना हुई।

पार्षद आए तो आम लोगों को इकट्ठा कर लिया

NGO अध्यक्ष ने बताया- थोड़ी देर में पार्षद पहुंचे। उन्होंने आम लोगों को इकट्ठा कर लिया। पार्षद और कई अन्य लोगों ने मेरे साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। मैंने मोबाइल पर वीडियो रिकॉर्डिंग ऑन कर ली। पार्षद ने मुझे पीछे से पकड़ लिया और मोबाइल छीनकर फेंक दिया। उसकी स्क्रीन टूट गई। मैंने मोबाइल दोबारा उठाई और रिकॉर्डिंग करने लगी। उन्होंने पूछा कि रिकॉर्डिंग क्यों कर रही हो? मैंने कहा कि आप लोगों से बचने के लिए। अगर कोई गलत हरकत होती है तो कम से कम मेरे पास सबूत रहेगा। इसके बाद लोग मुझे धक्का देते हुए एक गली में ले गए।

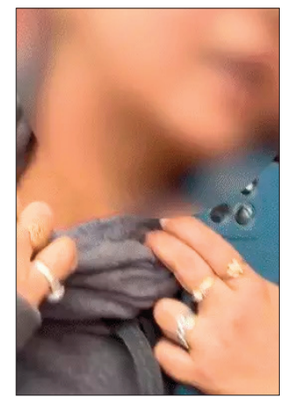

युवती ने अपने लगे पर लगे नाखून के निशान दिखाए।

कई लोगों ने दीवार पर दबाए रखा, नाखून से नोचा

पीड़ित ने बताया- कई लोगों ने मुझे धक्का देकर दीवार पर दबा दिया। काफी देर तक दबाए रखा। लोग हाथ खींच रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने मेरी छाती पर भी हाथ रखा। स्थानीय चौकी की पुलिस सूचना के बावजूद नहीं आई, क्योंकि थाने में मीटिंग चल रही थी।

पीड़ित ने बताया- मैं पहुंची तो उनसे पूछा कि किन कुत्तों को पकड़ रहे हैं। मैंने कहा कि उन्हीं को पकड़िए जो काटते हों। इस पर उन्होंने कहा कि तुम कौन होती हो? मैंने बताया कि मुझे पूछने की अथॉरिटी है, मैं एनजीओ चलाती हूं। जो कुत्ते काटते नहीं हैं, उनकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। इसके बाद नगर निगम की टीम के लोग बहस करने लगे। मुझे कुछ समझ नहीं आया। उन्होंने पार्षद को फोन कर दिया।

आंदोलन: 5 डे वर्किंग की मांग ■ 27 जनवरी को देश भर में बैंक हड़ताल का ऐलान

17 मुकदमों का आरोपी इनामी बदमाश तालिब मुठभेड़ में ढेर

सुल्तानपुर- लखीमपुर खीरी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर और लखीमपुर खीरी पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात और एक लाख के इनामी बदमाश तालिब उर्फ आजम खां को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। बदमाश पर सामूहिक बलात्कार, गौकशी, लूट और वाहन चोरी समेत 17 से अधिक गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। मुठभेड़ लंभुआ कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत दियरा पुल के पास हुई। पुलिस के अनुसार, घेराबंदी के दौरान बदमाश तालिब ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में बदमाश को गोली लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में पुलिस बदमाश को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गई, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए सुल्तानपुर राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर चिकित्सकों ने बदमाश को मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ में मारे गए बदमाश की पहचान 26 वर्षीय तालिब उर्फ आजम खां पुत्र गफ्फार खान निवासी गौरिया गांव, थाना फरधान, जनपद लखीमपुर खीरी के रूप में हुई है। तालिब लंबे समय से पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था और उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक तालिब के खिलाफ लखीमपुर खीरी जनपद के विभिन्न थानों में गैंगरेप, गौकशी, लूट, वाहन चोरी और अन्य संगीन धाराओं में करीब 17 से अधिक मुकदमे दर्ज थे। वह कई मामलों में वांछित चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बदमाश की तलाश में सुल्तानपुर और लखीमपुर खीरी पुलिस की संयुक्त टीम लगातार दबिश दे रही थी। मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर चिकित्सकों ने बदमाश को मृत घोषित कर दिया। पुख्ता सूचना के आधार पर उसे घेरने की योजना बनाई गई, जिसके दौरान यह मुठभेड़ हुई। फिलहाल पुलिस ने मौके से हथियार बरामद किए हैं और मुठभेड़ से जुड़ी विधिक कार्रवाई पूरी की जा रही है। मामले में आगे की जांच जारी है।

बैंक कर्मियों का विरोध प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को बैंक कर्मियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। हजरतगंज स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रांगण में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बैनर तले प्रदर्शन हुआ। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक कर्मियों ने केंद्र सरकार से 5 दिवसीय बैंकिंग लागू करने कि मांग की। इस दौरान इस मदहोश सरकार को एक झटका और दो के नारे लगाए। 6 दिन काम करवा कर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है, जिसकी वजह से कर्मचारियों का वर्क लाइफ बैलेंस बहुत डिस्टर्ब हो रहा है। उन्हें हफ्ते में 2 दिन राहत मिलेगी तो वह अपने परिवार के साथ समय गुजार सकते है। बैंक कर्मचारियों के स्वास्थ्य को देखते हुए 5 दिवसीय वर्किंग लागू करना अनिवार्य है। आज डिजिटल पेमेंट की सुविधा है, जिसकी वजह से लोगों को बैंक आने की भी जरूरत नहीं पड़ती है।

27 जनवरी को देश भर में हड़ताल

प्रदर्शन में शामिल अजय पाण्डेय ने कहा कि 5 दिवसीय बैंक कार्य की डिमांड हमारी पिछले 7 सालों से है । सरकार ने लिखित में यह कहा था कि हम लोग समझौते के बाद 5 डे वर्किंग लागू करेंगे मगर नहीं हुआ। जिसके बाद 27 जनवरी को देश भर में बैंक हड़ताल का निर्णय लिया गया है। इस ऑल इंडिया हड़ताल में सभी बैंक शामिल होंगे। आज डिजिटल पेमेंट की सुविधा है, जिसकी वजह से लोगों को बैंक आने की भी जरूरत नहीं पड़ती है।

महामंत्री दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि हम लोग लंबे समय से सप्ताह में 5 दिवसीय काम की मांग कर रहे हैं, मगर सुनवाई नहीं हो रही है। बैंककर्मियों पर बढ़ते तनाव और दबाव के चलते 5 दिवसीय बैंकिंग लागू होनी चाहिए। ऐसा न होने पर बैंक कर्मी लंबे संघर्ष और हड़ताल के लिए तैयार है।

लम्बे समय से 5 डे वर्किंग कि मांग

मांगों को लेकर लगातार जिम्मेदार अधिकारियों से मुलाकात कर रहे हैं, मगर कोई भी सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि आर.बी.आई., एल.आई.सी. और जनरल इंश्योरेंस में 5 दिवसीय कार्य प्रणाली लागू है।

पृष्ठ 01 का शेष...

अमेरिकी ...

तो उनके पेरेंट्स का तलाक हो गया। इसके दो साल बाद बेवर्ली ने बॉब हैमेल से शादी की। इसी बीच पैसों की तंगी के कारण जेडी की मां बेवर्ली को ड्रग्स और शराब की लत लग गई। ऐसे में जेडी ने अपना बचपन नाना जेम्स वेंस और नानी बोनी वेंस के साथ बिताया। अपने बचपन पर लिखी किताब 'हिलबिली एजेलीः ए मेमोयर ऑफ ए फैमिली एंड कल्चर इन क्राइसिस' में जेडी लिखते हैं, 'मुझे अपनी मां का बार-बार मकान बदलना पसंद नहीं था। मुझे नाना-नानी के घर में ही अच्छा लगता।' उषा से शादी के बाद जेडी ने फिर से अपना नाम बदल लिया। नाना-नानी के सम्मान में उन्होंने अपना नाम जेम्स डेविड हैमेल से बदल कर जेम्स डेविड वेंस रखा। जेडी और उषा के तीन बच्चे भी हैं। 7 साल के इवान और 4 साल के विवेक उनके बेटे हैं। वहीं 3 साल की मिराबेल उनकी बेटी हैं। 2016 में जब डोनाल्ड ट्रम्प पहली बार अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव लड़ रहे थे, तब जेडी उनके विरोधी थे। रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े होने के बावजूद जेडी मानते थे कि अमेरिका के सबसे ऊंचे पद के लिए ट्रम्प काबिल नहीं हैं। सार्वजनिक तौर पर जेडी ट्रम्प को 'इडियट', 'कल्चरल हेरोइन' और 'कलंक' तक कह चुके हैं। 2016 में ही उन्होंने येल लॉ स्कूल के एक दोस्त को फेसबुक पर प्राइवेट मैसेज कर ट्रम्प को हिटलर तक कहा था। जेडी ने मैसेज में लिखा, ये मैसेज 2022 में सामने आया। हालांकि तब तक जेडी, ट्रम्प सपोर्टर बन गए थे। 15 जुलाई 2024 को ट्रम्प ने जेडी को वाइस प्रेसिडेंट पद का उम्मीदवार घोषित किया। 5 नवंबर 2024 को आए नतीजों के बाद ट्रम्प अमेरिका के प्रेसिडेंट बने और जेडी वाइस प्रेसिडेंट।

दिल्ली दंगा ...

750 से ज्यादा FIR दर्ज की गईं। खालिद और इमाम की जमानत याचिका पर एक साल रोक रहेगी। यानी इस मामले में संरक्षित गवाहों की गवाही पूरी हो जाएगी, या इस आदेश को एक साल पूरा हो जाएगा। इन दोनों में से जो पहले हो, तब आरोपी जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। दिल्ली दंगा मामले में खालिद और शमीम समेत 7 आरोपियों को मई से सितंबर 2020 में गिरफ्तार किया गया। तब से ये सभी जेल में हैं। इन पर आपराधिक साजिश, दंगा, गैरकानूनी सभा के साथ-साथ गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत कई अपराधों का आरोप लगाया गया है। खालिद ने जमानत के लिए निचली अदालत से सुप्रीम कोर्ट तक 6 बार याचिकाएं लगाईं। हर बार याचिका खारिज हो गईं।

योगी ...

इससे पहले योगी पिछले साल 25 अक्टूबर को दिल्ली पहुंचे थे। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और पीएम मोदी से मुलाकात की थी। सीएम ने पीएम को श्रीराम की प्रतिमा भेंट की थी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ब्रजेश पाठक यूपी में भाजपा का ब्राह्मण चेहरा है। संभवतः पाठक की मुलाकात में यूपी में ब्राह्मण विधायकों की बैठक और उसके बाद उपजे असंतोष पर भी बात हो सकती है। उधर, सीएम योगी की पीएम मोदी और नितिन नबीन से मुलाकात में मंत्रिमंडल विस्तार पर बात हो सकती है। योगी केंद्रीय नेतृत्व के सामने SIR के आंकड़े रख सकते है।

ममता का आरोप ...

दो महीनों में लगभग 70 लोगों की मौत हो चुकी है। क्या किसी का दिल नहीं दुखता? अगर आपकी 85 वर्षीय मां को एम्बुलेंस में घसीटा जाए, तो दिल्ली के नेता क्या जवाब देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्लास्टर लगे पैरों वाले लोगों, हाल ही में अस्पतालों से छुट्टी पाए लोगों और बुजुर्गों को सुनवाई में शामिल होने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या नाम हटाने का आदेश देने वालों के पास खुद के माता-पिता के प्रमाण पत्र हैं। ममता ने आरोप लगाया कि SIR प्रोसेस में बिना वैध कारणों के बिना मनमाने ढंग से मतदाता सूची से नाम हटाए जा रहे हैं। विधानसभा चुनावों से पहले SIR लोगों को डराने की प्रोसेस बन गई है। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बंगाली बोलने वाले मजदूरों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। ममता ने कहा, मैं चुनौती देती हूं कि वे चाहे मुझे जान से मार दें लेकिन मैं अपनी मातृभाषा बोलना बंद नहीं करूंगी। ममता ने यह भी पूछा कि क्या देश में बंगाली बोलना अपराध बन गया है? CM ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव से पहले लोगों को लुभाने के लिए प्रलोभन देती है और चुनाव जीतने के बाद दमनकारी कार्रवाई करती है। ममता ने कहा,वे चुनाव से पहले 10,000 रुपए देते हैं और चुनाव खत्म होने के बाद बुलडोजर चला देते हैं। आप जितना चाहें उतना अत्याचार कर सकते हैं, लेकिन इससे कोई रिजल्ट नहीं निकलेगा। ममता ने यह भी पूछा कि क्या देश में बंगाली बोलना अपराध बन गया है? CM ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव से पहले लोगों को लुभाने के लिए प्रलोभन देती हैदेश में अब तक SIR प्रक्रिया के तहत 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट सूची जारी हो चुकी है। इसमें कुल 3.69 करोड़ वोटर्स के नाम हटे हैं। केरल में 24.08 लाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 3.10 लाख वोटर्स के नाम कटे हैं। पश्चिम बंगाल में 58.20 लाख, राजस्थान में 41.85 लाख, गोवा में 11.85 लाख, पुडुचेरी में 1.03 लाख, लक्षद्वीप में 1,616, तमिलनाडु में 97 लाख और गुजरात में 73 लाख वोटर्स के नाम कटे हैं।

सैडलरी फैक्ट्री में शार्ट-सर्किट से लगी भीषण आग

एक डेढ़ दूर तक दिखा धुएं का गुबार, 5 कर्मियों को रेस्क्यू किया

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। अनवरगंज थाना क्षेत्र में सोहनलाल कंपाउंड स्थित सैडलरी फैक्ट्री के सेकेंड फ्लोर में सोमवार दोपहर भीषण आग लग गई। कुछ ही देर में कारखाने से ऊंची-ऊंची लपटे उठने लगी। धुएं का गुबार करीब एक किलोमीटर दूर तक देखा गया। फैक्ट्री में धुआं भरने से सेकेंड फ्लोर पर मौजूद कर्मचारी फंस गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड कर्मियों ने फंसे 5 कर्मचारियों का रेस्क्यू कर करीब 2 घंटे बाद आग पर काबू पाया। सीएफओ ने बताया कि शार्ट सर्किट के कारण आग लगी। सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि सोमवार सुबह कंट्रोल रूम में अनवरगंज के बांसमंडी इलाके में सोहन लाल कंपाउंड में स्थित आसिफ अनवर की सैडलरी फैक्ट्री के सेकेंड फ्लोर पर सुबह 11 बजे शार्ट सर्किट से आग लग गई। कुछ ही देर में फैक्ट्री में मौजूद चमड़े को लपटों ने अपनी जद में ले लिया, जिससे कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। कुछ ही

देर में आग का धुआं भरने से फैक्ट्री कर्मियों का दम घुटने लगा। फैक्ट्री संचालक को घटना की जानकारी दी। आनन-फानन में फजलगंज, कर्नलगंज, लाटूश रोड, जाजमऊ, मीरपुर, पनकी, किदवई नगर फायर स्टेशन से 8 गाड़ियां मौके पर पहुंची। करीब दो घंटे बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया सीएफओ ने बताया कि फायर ब्रिगेड की टीमों ने चारों ओर से घेराबंदी कर आग बुझाने का कार्य शुरू किया और समय रहते आग को आसपास के आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में फैलने से रोक लिया।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676